जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 36 दिनांक: 17-01-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

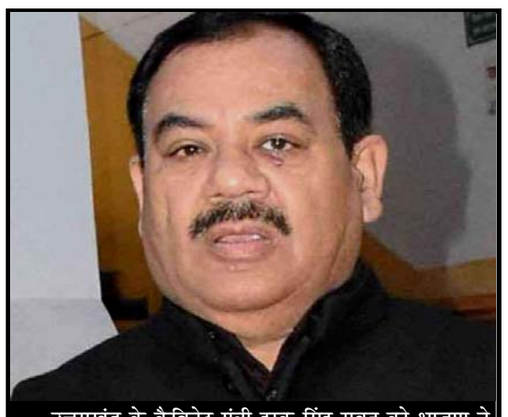

उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत को भाजपा ने छह साल के लिए बर्खास्त कर दिया है।बताया जा रहा है कि हरक सिंह रावत तीन जगह से टिकट की मांग कर रहे थे। हरक रविवार को दिल्ली गए थे उनके कांग्रेस में जाने की भी चर्चा चल रही थी।

कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान का एक साल पूरा हो गया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर बधाई दी। इस एक साल के आंकड़ों पर हम गौर करें तो यह यात्रा संतोषजनक लगती है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022 : हरक सिंह रावत को बड़ा झटका, भाजपा ने छह साल के लिए किया बर्खास्त, कांग्रेस में जाने की चर्चा

देहरादूनः आखिरकार लंबे समय से कैबिनेट मंत्री डा हरक सिंह रावत को झेलती आ रही भाजपा ने उन्हें छह साल के लिए पार्टी से बर्खास्त कर दिया। इससे हरक स्वतः ही मंत्रिमंडल से भी बर्खास्त हो गए। मंत्रिमंडल से हटाए जाने की सूचना सरकार ने राजभवन को तत्काल भेज दी।

दावेदारों के पैनल के सिलसिले में दिल्ली में हुई पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने इसकी पुष्टि की। बताया जा रहा कि हरक परिवार के लिए तीन टिकट मांग रहे थे, जिसे केंद्रीय नेतृत्व ने खारिज कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना बेहतर समझा। हरक रविवार को ही विधायक उमेश शर्मा काऊ के साथ दिल्ली पहुंचे थे। हरक का कहना था कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे।

दिल्ली में भाजपा के उत्तराखंड कोर ग्रुप की बैठक होने जा रही है, जिसमें प्रत्याशियों को लेकर चर्चा की जानी है। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक के साथ ही प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, सह प्रभारी आरपी सिंह मौजूद रहेंगे। बैठक में प्रत्याशियों के संबंध में केंद्रीय संसदीय बोर्ड निर्णय लेगा। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में शनिवार को केंद्रीय मंत्री और प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, विजय बहुगुणा, त्रिवेंद्र सिंह रावत व तीरथ सिंह रावत समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में हुई प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में दावेदारों के पैनल पर विमर्श हुआ।

डेढ़ घंटे चली बैठक में विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा की गई। कुछेक सीटों पर एकाध नाम जोड़े गए तो कुछ से हटाए गए। सूत्रों ने बताया कि जिन सीटों पर नाम लगभग तय हैं, उनके पैनल में एक-एक नाम ही हैं। अन्य सीटों पर दो से चार नाम शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक व प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय रविवार को दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व को दावेदारों की सूची सौंपेंगे।

पंजाब मुख्यमंत्री के भाई ने निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भाई डॉ. मनोहर सिंह ने कांग्रेस के फैसले से अलग जाकर खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है. इसे पंजाब कांग्रेस के भीतर बगावत का सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है. मनोहर सिंह ने रविवार को ऐलान किया कि वो बस्सी पठाना विधानसभा क्षेत्र से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे. मनोहर ने बस्सी पठाना से विधानसभा टिकट की दावेदारी पेश की थी. लेकिन कांग्रेस ने इस बार वन फैमिली वन टिकट का फार्मूला अपनाया है. इस कारण मनोहर सिंह की दावेदारी पर पानी फिर गया.

भाई के इस बगावती तेवर पर चन्नी ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. हालांकि मुख्यमंत्री ने अपने भाई को बस्सी पठाना विधानसभा सीट से टिकट दिलाने के लिए खूब जद्दोजहद की थी. डॉ. मनोहर सिंह ने पिछले साल अगस्त में मोहाली जिले के खरार सिविल हास्पिटल के सीनियर मेडिकल अफसर के पद से त्यागपत्र दे दिया था. डॉ. मनोहर सिंह ने खुलेआम अपने समर्थकों के बीच ऐलान किया कि वो निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे और मौजूदा कांग्रेस विधायक की हार तय करेंगे.इससे कांग्रेस के लिए नई मुश्किलें खड़ी हो गई हैं. विरोधियों का कहना है कि सीएम चन्नी अपने गृह क्षेत्र में ही असंतोष को नहीं थाम पा रहे हैं.

कैराना में नाहिद हसन की गिरफ्तारी पर बीजेपी-सपा में जुबानी जंग

-अखिलेश बोले- अब परिवार के किसी और सदस्य को देंगे पार्टी का टिकट

लखनऊ(ईएमएस)। यूपी के कैराना से दिया गया है। उन्होंने कहा था कि मुजफ्फरनगर के दंगाईयों को टिकट दिया गया है और साथ-साथ लोनी में अपराधी और हिस्ट्रीशीटर को भी प्रत्याशी बनाया गया है। यही समाजवादी पार्टी का चरित्र है यही बीजेपी और समाजवादी पार्टी में अंतर है। यही वजह है कि अब नाहिद हसन की जगह सपा उनके परिवार से किसी और को उम्मीदवार बना सकती है जिसपर कोई भी आपराधिक मामला दर्ज ना हो। सीएम योगी से पहले अनुराग ठाकुर भी इस मामले को लेकर अखिलेश यादव पर निशाना साध चुके हैं। कानपुर के पूर्व पुलिस कमिश्नर असीम अरुण के बीजेपी में शामिल होने पर सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि दंगा करने वाले समाजवादी पार्टी में जबकि दंगाइयों को पकड़ने वाले भारतीय जनता पार्टी में आते हैं। उन्होंने कहा था कि जेल और बेल सपा का खेल है। उनके एक विधायक जेल में तो एक बेल पर रहते हैं। पहले शामली जिले की कैराना सीट से सपा ने नाहिद हसन को अपना उम्मीदवार बनाया था। उसकी उम्मीदवारी पर सवाल इसलिए खड़े हो रहे थे क्योंकि उन पर पहले से कई आपराधिक केस दर्ज हैं। जमीन खरीदने के मामले में उन पर धोखाधड़ी का भी केस चल रहा है। शामली की विशेष कोर्ट उन्हें भगोड़ा तक घोषित कर चुकी थी जिसके बाद उसने खुद ही पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं बीजेपी की माने तो कैराना से जो हिंदुओं का पलायन हुआ है, उसमें भी सपा के नाहिद हसन की अहम भूमिका रही है।

जेल से रिहा हुए अब्दुल्ला आजम, कहा जेल में पिता के साथ किया जा रहा अत्याचार

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के दिग्गज नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को सभी मामलों में ज़मानत दे दी गई है। हालांकि आज़म ख़ान अब भी जेल में हैं। अब्दुल्ला आज़म पिछले 23 महीने से सीतापुर जेल में थे। कोर्ट से उन्हें 43 मामलों में ज़मानत मिली है। जेल से बाहर आने के बाद अब्दुल्ला आज़म ख़ान ने कहा मैं चुनाव लड़ूंगा भी और जीतूंगा भी, आज़म खान 9 बार विधायक रहे हैं, वे ऐसे मुक़दमें में जेल में बंद है, जिसमें 8 लोगों को अग्रिम ज़मानत मिल चुकी है। अब्दुल्ला ने कहा कि इस बार अखिलेश यादव 200 फीसदी मुख्यमंत्री बनेंगे।

उन्होंने कहा रामपुर में मौजूदा अधिकारियों के रहते इस मंडल में निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सब दिशानिर्देश सिर्फ विपक्ष के लिए हैं, जो ज़ुल्म हम पर हो सकते थे, वे किए गए। आज भी मेरे पिता को जेल में जान का खतरा है। अब्दुल्ला की रिहाई के दौरान सीतापुर जेल के बाहर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे। अब्दुल्ला ने कहा, मेरे वालिद के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कराए गए और बीमार आदमी को जेल भेजकर उनपर अत्याचार किया जा रहा है। उन्होंने मौजूदा सरकार पर साजिश का आरोप लगाया है।

बता दें कि दो जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के मामले में आज़म ख़ान और अब्दुल्ला आज़म ख़ान पर केस दर्ज किया गया था। आज़म ख़ान की पत्नी को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया था। पासपोर्ट और पैनकार्ड पर दो जन्मतिथि दर्ज होने के मामले में भी एफआईआर दर्ज की गई थी। ज़मानत अर्जी ख़ारिज होने के बहाद अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में ज़मानत याचिका दी थी। आकाश सक्सेना नाम के एक वकील ने आज़म ख़ान और उनके परिवार के ख़िलाफ़ फर्जीवाड़े का मुकदमा दर्ज करवाया था। आकाश सक्सेना के मुकदमे की वजह से ही जौहर यूनिवर्सिटी पर सरकार का कंट्रोल हो गया और ईडी की जांच शुरू हो गई।

कार्टून कोना

योगी मंत्रिपरिषद के सदस्य दारा सिंह चौहान ने थामा सपा का दामन

-बोले, भाजपा में चंद लोगों का हुआ विकास

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा ऐलान के बाद भाजपा में अचानक मची भगदड़ में सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री पद से हाल ही में इस्तीफा दे चुके दारा सिंह चौहान और भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी 'अपना दल (सोनेलाल)' के विधायक डॉ. आरके वर्मा रविवार को अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सपा मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने दारा सिंह चौहान तथा प्रतापगढ़ जिले के विधायक आरके वर्मा के अपने-अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इस मौके पर चौहान ने कहा कि 2017 में जब भाजपा की सरकार बनी तब 'सबका साथ-सबका विकास' का नारा दिया गया था, लेकिन कालांतर में साथ तो सबका लिया गया, मगर विकास कुछ चंद लोगों का हुआ। इस प्रदेश में चंद लोगों का विकास हुआ और बाकी लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया।

चौहान ने कहा, 'सपा मेरा पुराना घर है और हम उत्तर प्रदेश की सियासत की बदलकर अखिलेश यादव को फिर से उप्र को मुख्यमंत्री बनायेंगे।' उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में सभी पिछड़ों और दलित समाज को लामबंद करेंगे। विरोधी लाख साजिश कर लें, लेकिन यह तूफान रुकने वाला नहीं है, बदलाव होकर रहेगा। अति पिछड़ी नोनिया (चौहान) बिरादरी से आने वाले मऊ जिले की मधुबन विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान विधायक दारा सिंह चौहान ने 12 जनवरी को योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर पिछड़ों, दलितों, वंचितों, किसानों और बेरोजगारों की उपेक्षा और पिछड़ों व दलितों के आरक्षण में खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

चौहान के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई नेताओं ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। आजमगढ़ जिले के मूल निवासी दारा सिंह चौहान एक बार बहुजन समाज पार्टी से और एक बार समाजवादी पार्टी से 1996 से 2006 तक राज्यसभा के सदस्य तथा 2009 में घोसी लोकसभा क्षेत्र से बसपा के सांसद रह चुके हैं। वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद वह 2015 में भाजपा में शामिल हुए थे और उन्हें भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। प्रतापगढ़ के विश्वनाथगंज सीट से अपना दल सोनेलाल के दूसरी बार के विधायक डॉ. आरके वर्मा को पार्टी नेतृत्व ने पिछले दिनों दल से निष्कासित कर दिया था।

टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क को न्योता पश्चिम बंगाल सरकार ने

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल सरकार में अल्पसंख्यक विकास और मदरसा शिक्षा के मंत्री मोहम्मद गुलाम रब्बानी ने टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क को न्योता दिया है कि वे अपना व्यापार राज्य से शुरू करें। रब्बानी ने कहा कि बंगाल के पास बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर है और हमारी नेता ममता बनर्जी के पास भविष्य का नजरिया भी है। बंगाल का मतलब है व्यापार।

इसे लेकर भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने निशाना साधते हुए कहा, ठआपको लगेगा कि यह मजाक है, लेकिन नहीं। पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने एलन मस्क को बंगाल में निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। उनकी पिच ममता बनर्जी की ओर से बंगाल में चुनाव के बाद कराई गई हिंसा से शुरू होगी और सिंगूर प्रदर्शनों पर खत्म?

मंत्री गडकरी 17 जनवरी को दक्षिण क्षेत्र के लिए पीएम-गति शक्ति पर एक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआटीएस) 17 जनवरी, 2022 को दक्षिण क्षेत्र के लिए पीएम-गति शक्ति पर एक सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। इस सम्मेलन में मंत्रालय दक्षिण क्षेत्र के लिए पीएम-गति शक्ति के लिए अपनी कार्य योजनाओं और परियोजनाओं पर विचार-विमर्श करेगा। वर्चुअल मोड में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. बोम्मई, पुदुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन, पुदुचेरी के मुख्यमंत्री एन.रंगासामी, एमओएस (आरटीएच और नागरिक उड्डयन) जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह, विभिन्न राज्य सरकारों/ केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री, सचिव आरटीएच गिरिधर अरमाने, विशेष सचिव डीपीआईआईटी अमृत लाल मीणा और भारत और राज्य सरकारों के विभिन्न बुनियादी ढांचा मंत्रालयों के अधिकारी संबोधित करेंगे। इस आयोजन में भाग लेने वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, पुदुचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना हैं। दिन भर चलने वाले इस कार्यक्रम में कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर पैनल में चर्चा होगी, जिसमें केंद्र और राज्य के अधिकारी और हितधारक शामिल होंगे। पीएम-गति शक्ति कार्यक्रम को सफल बनाने में राज्यों की अहम भूमिका है। सम्मेलन का उद्देश्य राज्य स्तर पर पीएम-गति शक्ति संस्थागत ढांचे के निर्माण के साथ-साथ राज्य सरकारों के समन्वय में सभी बुनियादी ढांचा मंत्रालयों की परियोजनाओं की मुकम्मल योजना, प्रबंधन और समय-निर्धारण के लिए राज्य मास्टर प्लान के लिए एक रोडमैप तैयार करना है। इससे परियोजना को कुशल तरीके से कार्यान्वयन और समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी।

निषाद पार्टी का ऐलान बीजेपी के साथ गठबंधन में 15 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी चुनाव

गाजियाबाद (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने कहा कि निषाद पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा के साथ गठबंधन में 15 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यूपी में निषाद पार्टी द्वारा लड़ी जाने वाली विधानसभा सीटों को सोमवार को दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2019 में निषाद पार्टी का भाजपा से समझौता हुआ था। तब निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के बेटे प्रवीन निषाद को भाजपा ने संतकबीरनगर से अपना प्रत्याशी बनाया था और वे जीते भी थे। विधानसभा चुनाव 2022 से ठीक पहले भाजपा ने डॉ. संजय निषाद को एमएलसी बना दिया। अब सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। मालूम हो कि निषाद समाज की आरक्षण राजनीति से ही डा.संजय निषाद को सियासत में तरक्की मिली है। गोरखपुर जिले में गठित हुई निषाद पार्टी आज सूबे की राजनीति में अहम हो गई है। बताया जाता है कि यूपी की 144 से अधिक विधानसभा की सीटों पर निषाद और उनकी अन्य उपजातियों का दबदबा है। इस वोट बैंक पर यूपी के सभी सियासी दलों की नजर है। सिर्फ आठ साल के सफर में निषाद पार्टी का पीस पार्टी और सपा के बाद भाजपा के साथ तीसरा गठबंधन है। हर गठबंधन के साथ इस पार्टी के मुखिया डा. संजय ने अपनी ताकत बढ़ाई। लगातार दो बार बेटे को सांसद बनाया और हाल ही में भाजपा ने उन्हें भी विधान परिषद में पहुंचा दिया। आठ साल पहले अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल निषादों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने की मांग ने निषाद पार्टी की भूमिका तैयार की। पार्टी का नाम निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) रखा गया। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक राज्य में चुनाव 10 फरवरी, 14 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और सात मार्च को होना है। वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

सीएम योगी जानते थे अयोध्या से चुनाव लड़ा तो हार तय, इसलिए गोरखपुर का किया रुख : विपक्षी दल

-योगी को गोरखपुर से प्रत्याशी बनाए जाने लोगों ने की मिश्रित प्रतिक्रिया

अयोध्या (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या से चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पहली सूची में योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर शहर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। यह जानकारी सामने आने के बाद भाजपा की विरोधी पार्टियां यह कहकर तंज कस रही हैं कि योगी को पता चल गया था कि अयोध्या में उनकी जीत निश्चित नहीं है। इसीलिए वह अपनी सीट बचाने के लिए गोरखपुर से चुनाव लड़ेंगे।

इस मामले में जब अयोध्या के लोगों से बात की गई तो उन्होंने मिश्रित प्रतिक्रिया की। वहां मौजूद एक संत ने इस बात की आशंका जाहिर की अयोध्या से योगी चुनाव हार सकते थे। उन्होंने कहा कि अच्छा हुआ सीएम योगी यहां से चले गए। यहां चुनाव लड़ते तो उन्हें हार का सामना करना पड़ता। बता दें कि इससे पहले कुछ संतों ने सीएम योगी से अयोध्या में आकर चुनाव लड़ने की अपील भी की थी। एक संत ने कहा योगी आदित्यनाथ महाराज ने जमीनी हकीकत पता की होगी। सर्वे किया गया होगा। हकीकत यह है कि यहां पर दीपक जलाने के अलावा कुछ किया नहीं गया है। फैजाबाद शहर में मुस्लिम वोटर बहुत हैं। ग्रामीण क्षेत्र भी विधानसभा में आता है।

उन्होंने कहा केवल संतों के वोट से योगी का भला नहीं होना था। यहां पर उनका ममता बनर्जी वाला हाल हो सकता था। अच्छी बात है कि सीएम योगी अपनी सुरक्षित सीट पर चले गए हैं। संत समाज इस बात की मांग कर रहा था। संतों की बहुत सारी अपेक्षाएं थीं। ट्रस्ट से चल रहा राम मंदिर के काम का श्रेय भी सीएम योगी ले रहे हैं।

वहां, मौजूद एक अन्य संत ने कहा उनकी बात का खंडन करते हुए कहा कि वे सपा से संबंधित हैं। इनकी टोपी बताती है कि ये सपा से हैं। अयोध्या का हर संत योगी आदित्यनाथ के साथ है। वह यहां से चुनाव लड़ते तो निश्चित चुनाव जीतते। वहीं मौजूद कुछ अन्य लोगों ने कहा, यहां भाजपा का सवाल नहीं है, यहां सवाल भगवान श्रीराम के नाम का है। इस विचार का समर्थन करने वाले लोग भाजपा को वोट देते रहे हैं। सीएम योगी यहां से हर हाल में जीतते।

सीएम योगी की गोरखपुर में तीन पीढ़ियों की विरासत है। वहां मौजूद एक शख्स ने कहा पवन पांडेय के सामने सीएम योगी आदित्यनाथ टिक नहीं पाते, इसीलिए वह गोरखपुर चले गए। कुछ लोगों ने कहा, भारतीय जनता पार्टी की आलाकमान भी परेशान है कि अयोध्या की जनता का समर्थन क्यों नहीं मिल रहा है।

पीएम मोदी ने टीकाकरण अभियान के 1 वर्ष पूरे होने पर टीकाकरण अभियान से जुड़े लोगों को नमन किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीकाकरण अभियान के 1 वर्ष पूरे होने पर टीकाकरण अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को नमन किया है। प्रधानमंत्री ने टीकाकरण अभियान में डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के टीकाकरण कार्यक्रम ने कोविड-19 की स्थिति से निपटने में काफी ताकत बढ़ाई है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट की एक श्रृंखला में कहा कि ठआज हम टीकाकरण अभियान का क्ष1 वर्ष पूरा कर रहे हैं। मैं टीकाकरण अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को नमन करता हूं। हमारे टीकाकरण कार्यक्रम ने कोविड-19 से निपटने में काफी ताकत बढ़ा दी है। इसने जीवन को बचाने के साथ-साथ आजीविका की रक्षा की है। साथ ही, हमारे डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका असाधारण है। जब हम दूर-दराज के इलाकों में लोगों का टीकाकरण करते हुए या हमारे स्वास्थ्य कर्मियों को वहां टीके लेते हुए देखते हैं, तो हमारा दिल और दिमाग गर्व से भर जाता है। महामारी से लड़ने के लिए भारत का दृष्टिकोण हमेशा विज्ञान आधारित रहेगा। हम अपने देशवासियों की उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, 'आज टीकाकरण अभियान को एक साल पूरे हो गए। मैं टीकाकरण अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को सलाम करता हूं। हमारे टीकाकरण कार्यक्रम ने कोरोना से लड़ने के लिए हमें मजबूती प्रदान की है। इसके साथ ही इस कार्यक्रम के चलते लोगों की जिंदगियां और आजीविका बचान में भी हम सफल हुए हैं।'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने टीकाकरण अभियान को दुनिया का सबसे सफल अभियान करार दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, 'आज विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक साल पूरा हो गया है। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान सबके प्रयास के साथ आज दुनिया का सबसे सफल टीकाकरण अभियान है। मैं सभी स्वास्थ्य कर्कयों, विज्ञानियों और देशवासियों को बधाई देता हूं।' टीकाकरण अभियान में देश ने कई मील के पत्थर हासिल किए, जिनकी दुनिया में कोई मिसाल नहीं है। भारत ने नौ महीने से भी कम समय में 100 करोड़ डोज लगा दी। एक दिन में 2.51 करोड़ डोज लगाने का रिकार्ड बनाया। एक दिन में एक करोड़ से अधिक डोज लगाने का आंकड़ा तो भारत ने कई बार पार किया।

विश्व के विकसित और कम आबादी वाले देशों में टीकाकरण अभियान की तुलना में भारत की यह उपलब्धि कम बड़ी नहीं है। तमाम संसाधन और सुविधाएं होने के बावजूद अमेरिका समेत कोई भी दूसरा देश टीकाकरण में भारत जैसी उपलब्धि हासिल नहीं कर सका है।

उत्तर भारत के तमाम इलाकों में जारी रहेगा शीत लहर का प्रकोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। मौसम विभाग का कहना है कि शीत लहर का प्रकोप दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत के तमाम इलाकों में जारी रहेगा। तापमान में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। सोमवार को हल्के से लेकर घना कोहरा भी देखने को मिल सकता है।दिल्ली में अधिकतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 3 डिग्री कम था। सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सर्दी के इस मौसम में सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था।

शाम 5.30 बजे आर्द्रता 70 प्रतिशत दर्ज रही। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार सुबह आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। सुबह हल्के से लेकर घना कोहरा छाये रहने की आशंका है। दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है।दिल्ली में शनिवार को कोल्ड डे की स्थिति घोषित की गई थी। कल 14.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया था, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान था। साथ ही घना कोहरा भी देखने को मिला था।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोल्ड डे की स्थिति तब होती है, जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम होता है और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री कम रहे। दिल्ली में शाम 6.06 बजे वायु प्रदूषण का हाल बताने वाला एक्यूआई 261 दर्ज किया गया। फरीदाबाद में एक्यूआई 302, गाजियाबाद में 258, ग्रेटर नोएडा में 238 और गुरुग्राम में 188 दर्ज किया गया।

दिल्ली में भीषण ठंड और कोरोना के कहर के बीच जनजीवन पर भी असर पड़ा है। ज्यादातर इलाकों में शाम होते ही सन्नाटा पसरा दिखाई दिया।

सपा नेता ठाकुर आदित्य पार्टी आफिस के सामने रोने लगे, आत्मदाह की कोशिश की

अलीगढ़ (ईएमएस)। अलीगढ़ में सपा के नेता ठाकुर आदित्य भी रविवार को पार्टी आफिस के सामने रोने लगे।वो छर्रा विधानसभा से टिकट मांग रहे थे। लेकिन जब वहां से पूर्व विधायक राकेश सिंह का टिकट फाइनल हो गया तो पहले उन्होंने पार्टी आफिस के सामने आत्मदाह करने की कोशिश की फिर फफक कर रोने लगे। सपा नेता आदित्य सिंह ने कहा, मैं समर्पित कार्यकर्ता हूं, इतने दिनों से लगा हूं टिकट का आश्वासन मिला था।

यूपी के पहले चरण के लिए सभी पार्टियों ने करीब करीब अपने टिकट घोषित कर दिए हैं। विधानसभा चुनाव के टिकट की घोषणा के बाद खासा बवाल मचा है। कोई टिकट न मिलने से फूट-फूट कर रो रहा है तो कोई आत्मदाह करने पार्टी कार्यालय पहुंच गया।इन्हीं में शामिल मुजफ्फरनगर के नेता अरशद राणा हैं, जिनके थाने में फूट-फूट कर रोने के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं।

राणा ने कहा, मेरा तमाशा बनाया गया है। मैंने इतने सारे होर्डिंग लगवाकर पैसा खर्च किया। मुजफ्फर नगर के थाने में पुलिस को शिकायत देते हुए अरशद राणा रो पड़े थे। वो बीएसपी से टिकट मांग रहे थे, लेकिन चरथावल से जब उनको टिकट नहीं मिला तो बीएसपी के पदाधिकारियों पर उन्होंने 66 लाख लेने के आरोप जड़ दिए।अरशद राणा ने कहा कि दिल्ली तक होर्डिंग्स लगवाने के लिए वो 50 लाख रुपये खर्च कर चुके हैं।

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर

गौतमबुद्ध नगर (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर रविवार को नोएडा में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के घर-घर जनसम्पर्क अभियान में भीड़ जुटाने पर आचार संहिता और महामारी अधिनियम उल्लंघन की धाराओं पर केस दर्ज किया गया है। भूपेश बघेल ने रविवार को नोएडा के चैड़ा रघुनाथपुर गांव में कांग्रेस प्रत्याशी के लिए घर-घर जाकर प्रचार किया था। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री बघेल के साथ अभियान की शुरुआत सेक्टर-58 बिशनपुरा गांव से की गई। इसके बाद वह काफिले के साथ चैड़ा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने घर-घर जाकर कांग्रेस को वोट देने की अपील की। इस दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि यूपी में हमेशा धर्म आधारित राजनीति करने वाले लोग हैं। इनसे मुक्ति पाना बहुत जरूरी है। कांग्रेस सत्ता में आई तो सभी को न्याय मिलेगा। नोएडा में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने से पहले बिशनपुरा स्थित शिव मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना की। विदित हो कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सिर्फ पांच लोग ही जनसम्पर्क कर सकते हैं। लेकिन इस दौरान 100 से ज्यादा लोग मौजूद रहे। अधिकांश लोगों ने मास्क तक नहीं पहना था।

भाजपा की नफरत की राजनीति देश के लिए हानिकारकःराहुल

-ये नफरत ही देश में बेरोजगारी के लिए भी जिम्मेदार है

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भाजपा की नफरत की राजनीति देश के लिए बहुत हानिकारक है और यह बेरोजगारी के लिए भी जिम्मेदार है। गांधी ने एक ट्वीट में कहा, मैं मानता हूं कि भाजपा की नफरत भरी राजनीति देश के लिए बेहद हानिकारक है। और ये नफरत ही देश में बेरोजगारी के लिए भी जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा, देशी और विदेशी उद्योग बिना सामाजिक शांति के नहीं चल सकते। रोज अपने आसपास बढ़ती इस नफरत को भाईचारे से हराएंगे- क्या आप मेरे साथ हैं? गांधी ने शनिवार को भी बेरोजगारी, महंगाई और 'नफरत के माहौल' को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने ट्विटर पोल के लिए लोगों के समक्ष यह सवाल रखा था कि भाजपा सरकार की सबसे बड़ी कमी क्या रही है?' गांधी ने इसके लिए बेरोजगारी, टैक्स वसूली, महंगाई, और नफरत का माहौल के तौर पर लोगों को चार विकल्प भी दिए थे। मैं भी यही मानता हूँ कि भाजपा की नफ़रत भरी राजनीति देश के लिए बेहद हानिकारक है। और ये नफ़रत ही बेरोज़गारी के लिए भी ज़िम्मेदार है। देशीय व विदेशी उद्योग बिना सामाजिक शांति के नहीं चल सकते। रोज़ अपने आस-पास बढ़ती इस नफ़रत को भाईचारे से हराएँगे- क्या आप मेरे साथ हैं?

मुंबई पुलिस ने किया अंतरराष्ट्रीय नेपाली चोर गैंग का पर्दाफ़ाश

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई की मालवणी पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय नेपाली चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए 3 चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इस गैंग में कई लोग हैं, जो मुंबई समेत देश के दूसरे राज्यों में चोरी करते हैं। पुलिस ने कहा कि ये शातिर चोर नौकरी करने के बहाने भारत में आते हैं और कुछ दिन ईमानदारी से काम करके अपने मालिक का दिल जी

जन हितैषी

नेताओं का पलायन

चुनाव की घोषणा होते ही उत्तरप्रदेश में इन दिनों राजनेताओं का आना-जाना लगा है। भाजपा के भी कुछ विधायकों को अपने पाले में लाकर सपा अभी भले ही खुद को फ्रंटफुट पर आने का दावा कर रही है, मगर यह उतना सुखद नहीं लगता, जितना कहा जा रहा है। भाजपा से आए नेताओं के लिए जगह बना पाना सपा के लिए आसान नहीं होने वाला। अब भाजपा छोड़कर पार्टी में आए हैं तो जनसेवा के लिए तो हरगिज नहीं। चुनाव में टिकट भी चाहिए होगा और जीत की गारंटी भी। सपा यकीनन टिकट देगी, लेकिन खुद की पार्टी में भितरघात को जन्म भी देगी। स्वामी प्रसाद मौर्य हों, दारा सिंह हों या धर्म सिंह सैनी या कुछ अन्य विधायक, इन्हें जब टिकट मिलेगा तो उन नेताओं का गुस्सा सपा कैसे साधेगी जो पांच साल से चुनाव की तैयारी कर रहे थे। भाजपा से आयतित नेता के सामने स्थानीय नेता की अनदेखी अंततः भाजपा को ही फायदा पहुंचाएगी। इसीलिए अभी सपा अपने को भले ही फ्रंटफुट पर मान रही हो, मगर चुनाव के बाद वह बैकफुट पर ही दिखेगी। हालांकि, दलबदल का खेला अब बंद होना चाहिए। पार्टी छोड़ते ही उसकी नीतियों को कोसना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। जब तक पार्टी में रहे, मलाई खाते रहे। जब पार्टी छोड़ दी, तो वही अछूत लगने लगी। दल बदल की गहमागहमी पिछले करीब डेढ़ दशक से कुछ अधिक देखी जाने लगी है। चुनाव में जिस राजनीतिक दल का पलड़ा भारी दिखता है, उसमें घुसने की होड़ कुछ अधिक देखी जाती है। पिछले आम चुनाव में भी यही हुआ था, जब भाजपा का पलड़ा भारी दिखने लगा और कांग्रेस की नैया डूबती जान पडऩे लगी तो कांग्रेस से पलायन कर नेताओं में भाजपा से जुडऩे की होड़ देखी गई थी। उसके बाद के तमाम विधानसभा चुनावों में भी ऐसा ही पाला बदल देखा गया। बिहार में जैसे ही लगने लगा कि नीतीश कुमार सरकार की वापसी नहीं होगी और राजद की स्थिति मजबूत है, तो सत्ता दल के कई नेता टूट कर राजद में जा मिले थे। ऐसी ही भगदड़ बंगाल विधानसभा चुनाव में भी देखी गई। तब भाजपा की स्थिति मजबूत नजर आ रही थी, इसलिए तृणमूल के कई नेताओं ने पार्टी छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था। हालांकि नतीजे कयासों के विपरीत आए। वही स्थिति अब उत्तर प्रदेश में दिखाई दे रही है। कांग्रेस और भाजपा छोड़ कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले नेता जैसे कतार लगा कर खड़े हो गए हैं। चुनाव के वक्त नेताओं के पाला बदल से स्पष्ट हो गया है कि राजनीति में सिद्धांतों का कोई मतलब नहीं रह गया है। नेता किसी भी तरह इस या उस दल से सत्ता में बने रहना चाहते हैं। इससे राजनीतिक दलों का मकसद भी साफ है कि उनके लिए अपने कर्मठ और प्रतिबद्ध नेताओं के बजाय उन नेताओं की अहमियत ज्यादा है, जो उन्हें सरकार बनाने में सहायक साबित हो सकते हैं। यह ठीक है कि हर राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए ही संघर्ष करता और अपने-अपने तरीके से चुनावी समीकरण साधने का प्रयास करता रहता है। यह अपने में बुरी बात भी नहीं है। मगर इस तरह दल बदल कर जीतने वाली पार्टी से गठजोड़ कर फिर सत्ता में पहुंचने के प्रयास आखिरकार मतदाता को ही छलते हैं। मतदाता किन्हीं मुद्दों के मद्देनजर मतदान का मानस बनाता है। जाहिर है, वह रुझान किसी दल के प्रति होता है। ऐसे में उसने जिस दल को नकारने का मन बनाया होता है, अगर उसी दल का नेता जीतने वाली पार्टी में आकर चुनाव जीत जाता है, तो यह एक तरह से मतदाता के साथ धोखाधड़ी ही कही जाएगी। फिर दूसरे दलों से आए नेताओं को तरजीह देकर चुनाव जीतने का गणित हल करने वाली पार्टियां आखिरकार अपने सैकड़ों कर्मठ और प्रतिबद्ध नेताओं की मेहनत पर भी पानी फेर देती हैं, जिन्होंने वर्षों उसका जनाधार बनाने के लिए संघर्ष किया होता है? इसे किसी भी रूप में लोकतांत्रिक तरीका नहीं कहा जा सकता।

ये 'बेटी बचायेंगे' या इनसे 'बेटी बचायें'?

बेटियों के अधिकारों,उनकी रक्षा,मान सम्मान व उनकी तरक़्क़ी को लेकर जितना ढिंढोरा हमारे देश में पीटा जाता है या यूँ कहें कि जितना दिखावा किया जाता है उतना किसी अन्य देश में नहीं किया जाता। यदि हमारा समाज वास्तव में पैतृक संस्कारों,उपदेशों,भाषणों व कन्या हितैषी सरकारी योजनाओं के अनुसार देश की बेटियों का पालन पोषण कर रहा होता उसे पूरा मान सम्मान दे रहा होता, बेटी को धर्म-जाति,ग़रीब-अमीर,ऊंच-नीच के चश्मे से न देखा जाता तो आज घर घर में रानी लक्ष्मी बाई,ज्योति बाई फूले,फ़ातिमा शेख़,बेगम हज़रत महल,रज़िया सुल्तान,इंदिरा गाँधी,सरोजनी नायडू,लक्ष्मी सहगल से लेकर कल्पना चावला तक जैसी महिलायें पैदा होकर देश का नाम पूरी दुनिया में रौशन कर रही होतीं। परन्तु दुर्भाग्यपूर्ण है कि कन्या हितों की बात करने का ढोंग करने वाले हमारे ही देश में औरतों को भूतनी और चुड़ैल बताकर उसे प्रताड़ित किया जाता है यहां तक कि जान से भी मार दिया जाता है। बलात्कार,वीभत्स बलात्कार,सामूहिक बलात्कार,नाबालिग़ और किशोरियों के साथ बलात्कार और बलात्कार के बाद हत्या के जितने मामले हमारे देश में होते हैं पूरे विश्व में कहीं नहीं होते। और इसी कन्या असुरक्षा के भय से तमाम अभिभावक अपनी बेटियों को स्कूल-कॉलेज भेजने से भी कतराते हैं। कई बार मुख्यमंत्री व मंत्री स्तर के लोग बढ़ते कन्या अपहरण व बलात्कार की ख़बरों के बीच यह 'प्रवचन ' देते भी सुने गये हैं कि लड़कियां देर रात घरों से बाहर न निकलें कुछ नीति निर्धारक 'तो यह भी कह चुके हैं कि कन्याओं को घरों से अकेले नहीं निकलना चाहिये। क्या जो समाज कन्या हितों की बात करता व कन्या पूजन करता है क्या कन्याओं की रक्षा करना उसकी ज़िम्मेदारी नहीं ?

सवाल यह है कि लोगों में कन्याओं के प्रति इतनी घृणा व इतनी ज़हरीली मानसिकता आती कहां से है। यदि पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी से इस विषय का अवलोकन किया जाये तो हम यही पायेंगे कि इस तरह के दोहरेपन वाले हालात पैदा करने के लिये भी दरअसल वही वर्ग ज़िम्मेदार है जो कन्या व महिला हितों की बड़ी बड़ी बातें करता है,तरह तरह के वादे करता है,योजनायें बनाने का दिखावा करता तथा महिला हितैषी उपदेश दिया करता है। यही वर्ग महिलाओं को अधीन व भोग्या भी समझता है। याद कीजिये जब दो वर्ष पूर्व कश्मीर में धारा 370 समाप्ति की घोषणा हुई थी उस समय केंद्रीय मंत्री विजय गोयल के निवास पर एक बड़ा होर्डिंग लगाया गया था जिसमें एक और श्यामा प्रसाद मुखर्जी,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के चित्र छपे थे तो दूसरी तरफ़ सबसे बड़ा एक कश्मीरी लिबास पहने महिला का मुस्कुराता चित्र। इस होर्डिंग पर कश्मीरी महिला के चित्र तले लिखा वाक्य था -'धारा 370 का जाना-तेरा मुस्कुराना '-विजय गोयल। क्या यह विवादित होर्डिंग यह ज़ाहिर नहीं करतीं कि महिलाओं के प्रति इनकी सोच व संस्कार क्या हैं ? इसी तरह हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान' को लेकर 'उपदेश ' देते हुए उन्हीं दिनों यह कहा था कि -'अनुच्छेद 370 के हटने के बाद अब लड़कियों को शादी के लिए कश्मीर से लाया जा सकता है'। उसी समय कश्मीरी बॉलीवुड एक्ट्रेस बिदिता बाग ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीरी लड़कियों से शादी करने के सपने देखने वालों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया था कि ''कश्मीरी सेब ख़रीदने की औक़ात नहीं ष्ठ चले हैं कश्मीरी लड़की से शादी करने ।'' वास्तव में यह आशचर्य की बात भी है कि जो अपनी पत्नी नहीं संभाल सके या जिनको किसी बेटी वाले ने अपनी लड़की देने योग्य नहीं समझा और वे कुंवारे ही मरने के लिये मजबूर हैं वे कभी कश्मीर तो कभी बिहार से लड़कियां लाने की बातें करते हैं? इससे पहले भी खट्टर ने नवंबर 2018 में रेप की बढ़ती घटनाओं को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि -'रेप और छेड़छाड़ की 80 से 90 प्रतिशत घटनाएं जानकारों के बीच होती हैं। कपल काफ़ी वक़्त के लिए इकट्ठे घूमते हैं, एक दिन अनबन हो जाती है तो उस दिन एफ़ आई आर करवा देते हैं कि इसने मेरा रेप किया'।

कन्याओं व महिलाओं के प्रति घृणा का ही परिणाम है कि कभी देश में निर्भया जैसा कांड होता है तो कभी निर्भया-2,3 और निर्भया-4 होता है,कभी हाथरस जैसी रेप,हत्या व रेप पीड़िता को मां-बाप की अनुपस्थिति में देर रात खेतों में जलाने जैसी क्रूरतम घटना घटती है। कभी कश्मीर में किशोरी आसिफ़ा की सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या होती है तो बलात्कारियों व हत्यारों के समर्थन में वही वर्ग खड़ा होता है जो न केवल 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का झंडा उठाये हुये है बल्कि धर्म-संस्कार व संस्कृति की बात भी करता है। इसी विचारधारा के लोग सार्वजनिक रूप से मंच पर यह उद्घोष भी कर चुके हैं 'धर्म विशेष' की महिलाओं का क़ब्र से निकाल कर बलात्कार किया जाना चाहिये। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के इंदौर में एक स्पा सेंटर पर छापेमारी की गयी जिसमें आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए 18 लोगों में तीन सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा नेता हैं और समाचारों के अनुसार वे राज्य के वन मंत्री विजय शाह के ''करीबी'' हैं। गिरफ्तार आरोपियों में थाईलैंड की सात युवतियां भी शामिल हैं। यानी यह लोग 'महिला सम्मान' की ध्वजा अब विदेशों तक लहराने लगे हैं।

जब ऐसे ही विद्वेष व वैमनस्य पूर्ण पारिवारिक,सामाजिक,राजनैतिक वातावरण में बच्चे सांस लेंगे तो चाहे वे इंजीनियर बनें या मेडिकल की पढ़ाई पढ़ें कंप्यूटर इंजीनियर बनें अथवा वैज्ञानिक,नेता बनें या स्वयंभू धर्मगुरु। धार्मिक व जातीय उन्माद उनके मस्तिष्क में कूट कूट कर भरा जा चुका है। नफ़रत के माहौल में पले ऐसे बच्चे बड़े होकर बुल्ली बाई और सुल्ली डील्स की एप्लीकेशंस नहीं बनायेंगे तो क्या करेंगे ? कितना आश्चर्यजनक है कि इंजीनियर व विज्ञान की पढ़ाई करने के बाद इन बच्चों ने समाज व देश के विकास के लिये काम करने वाली तथा स्वयं अपना कैरियर बनाने वाली कोई ऐप बनाने के बजाये धर्म विशेष की महिलाओं की नीलामी करने वाली ऐप बनाना ज़्यादा ज़रूरी समझा ? इस मामले में सरकार व प्रशासन हालांकि कार्रवाई कर रहा है,कुछ लोगों की गिरफ़्तारियां भी हुई हैं परन्तु सबसे गंभीर सवाल यह है कि ऐसी घटिया सोच व मानसिकता की जड़ें कहाँ हैं ? महिलाओं के प्रति एक ओर तो मान सम्मान,आदर-सत्कार व कन्यापूजन जैसा दिखावा करना तो दूसरी ओर उन्हें धर्म जाति की नज़रों से देखना,ग़रीब अमीर की श्रेणी में बांटना,अपनी रंजिश निकालने या जायदाद हड़पने के लिये उसे भूतनी या चुड़ैल बताना और इंतेहा तो यह कि अब आधुनिक विज्ञान का इस्तेमाल करते हुये मोबाईल एप पर धर्म विशेष की महिलाओं की इज़्ज़त नीलाम करने की कोशिश करना क्या इसी संस्कार व मानसिकता के लोग 'बेटी बचायेंगे' या फिर लोग ख़ुद इनसे ही अपनी 'बेटी बचायें'? (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

भारतीय शौर्य की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखेगा 'वीर बाल दिवस'

भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हमारे पूर्वजों ने कभी मुगलों से लोहा लिया, तो कभी अंग्रेजों से जूझते रहे। फल स्वरूप देश का अस्तित्व आतताइयों के आतंकों से प्रभावित तो रहा, लेकिन कभी भी उसने पूरी तरह हार नहीं मानी। हमारे ऐसे ही पराक्रमी पूर्वजों में से एक हैं गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चारों वीर सपूत। सिखों के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी केवल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से ही पूज्यनीय नहीं है। इससे भी अधिक उन्हें उस बलिदान के लिए याद किया जाता है, जो उन्होंने देश और धर्म बचाने के लिए सपरिवार दिया। कौन नहीं जानता कि गुरु गोविंद सिंह शरीर रहने तक आतताई मुगल शासकों से लोहा लेते रहे। उनसे भी दो कदम आगे बढ़कर मुगल शासकों के अभिमान को चूर किया उनके साहिबजादों ने। यह बात याद रखने योग्य है कि गुरु गोविंद सिंह के दो बहादुर पुत्र मुगलों के खिलाफ युद्ध लड़ते लड़ते बलिदान को प्राप्त हुए। जबकि दो छोटे पुत्रों को मुगल शासकों ने अपनी गिरफ्त में ले लिया। अबोध से दिखाई देने वाले इन दोनों वीर सपूतों के सामने दो विकल्प थे। पहला विकल्प धर्म परिवर्तन का था। इसे मान लेने पर उन्हें मुगल सैनिकों से आजादी और समस्त राजसी ऐश्वर्यों की प्राप्ति हो सकती थी। जबकि दूसरा विकल्प था केवल मौत, और वह भी भयावह मौत। धर्म परिवर्तन की बात नहीं मानने पर गुरु गोविंद सिंह के दोनों साहिब जादों को दीवार में जिंदा चुने जाने का प्रस्ताव था। सिंह के इन दोनों शावकों ने मृत्यु का रास्ता चुना। लेकिन अपने धर्म पर अडिग ही बने रहे। वीर बालकों के दो टूक जवाब से खिसियाए और बौखलाए मुगल शासकों ने नृशंसता की सभी सीमाएं पार कर दीं और यह दोनों सिंह के बच्चे दीवारों में जिंदा चुनवा दिए गए।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की शौर्य गाथाओं के प्रेरक इन्हीं बलिदानी बालकों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाए जाने की घोषणा की है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि उक्त घोषणा गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर की गई। ये वही गुरु गोविंद सिंह जी हैं, जिन्होंने सिखों को व्यक्ति के स्थान पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब को आदर्श मांनने की नई और तार्किक प्रणाली स्थापित की थी। इसके पीछे उनकी स्पष्ट धारणा थी कि समय के दुष्चक्रों में फंसकर व्यक्ति पथभ्रष्ट अथवा दिग्भ्रमित हो सकता है। किंतु हमारे शास्त्र और धार्मिक प्रतीक हमें सदैव सत्य मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित करते रहते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर की गई प्रधानमंत्री की इस घोषणा का जितना स्वागत किया जाए, कम है। इस दिवस के माध्यम से हमें भारतीय शौर्य के उस गौरवशाली इतिहास के पन्ने देखने को मिलेंगे, जो तथाकथित धर्मनिरपेक्ष शासकों के दबाव में आकर इतिहासकारों ने 'ठकुरसुहाती' स्वभाव के चलते नीचे दबा कर रखे हुए थे। यह घोषणा अब तक की उन केंद्र सरकारों की तुष्टीकरण युक्त कार्यप्रणाली को करारा जवाब है, जो विदेशों से आए लुटेरों और आक्रांताओं को ही अपना आदर्श मानती रहीं। यही नहीं, उन सरकारों ने शासकीय स्तर पर अधिकांश जयंतियां, बड़े-बड़े राजमार्गों व राजपथों के नाम देश के ऐसे ही अनेक शत्रुओं के नाम पर अंकित कर दिए। जहां वीर महाराणा प्रताप की कहानियां सुनाई जानी थीं, उन विद्यालयों में अकबर महान के पाठ रटाए गए। इस गलत शिक्षा नीति के चलते हमें पता ही नहीं चला कि कब हम देश के लिए मर मिटने वाले वीर सपूतों की जगह देश के दुश्मनों को अपना आदर्श मान बैठे। देर से ही सही, अब भारत का नागरिक गलत अवधारणाओं के मोहपाश से बाहर निकल रहा है। शिक्षा संस्कृति और विज्ञान के क्षेत्र में नित नए आयाम गढ़ने वाला देश का समझदार युवा अब इतिहास के उन गौरव शाली पन्नों को तलाशने में जुट गया है, जो कतिपय इतिहासकारों द्वारा तत्कालीन तथाकथित धर्मनिरपेक्ष शासकों के भय से दबा दिए गए थे। ऐसे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के साहिब जादों की स्मृति में वीर बाल दिवस मनाए जाने की घोषणा करके भारतीय शौर्य के विलुप्त होते जा रहे इतिहास के पन्नों को नई हवा देकर उन्हें खुलने के लिए मजबूर कर दिया है। (लेखक- डॉ. राघवेन्द्र शर्मा / ईएमएस)

देश की सड़कों पर मौत का तांड़व?

बेशक प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी से 17 जनवरी 2022 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। 2022 में मनाए जा गए राष्टरीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का थीम सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा है। ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष डेढ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है।नववर्ष 2022 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।देश में हर रोज इतने भीषण हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नीद सो रहे हैं।कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है।यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्वि हो रही है। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है।लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है।चिराग बूझ रहें हैं।बच्चे अनाथ हो रहे हैं।2021 में यह थीम युवाओं के जरिये बदलाव रखा गया था।आज युवा लापरवाही के कारण जान गंवा रहे है।युवा देश के कर्णधार है जो देश का भविष्य है।प्रतिवर्ष लाखों युवा हादसों में बेमौत मारे जा रहे है।इकलौते चिराग अस्त हो रहे है।कोखें उजड़ रही है।माताओं व बहनों का सिंदूर मिट रहर हैं।बच्चे अनाथ हो रहे है।युवाओं को जागरुक करना होगा क्योकि युवा ही विकराल हो रही सड़क हादसों की समस्या को रोक सकते है। लॉकडाउन में सड़क हादसों पर लगाम लग गई थी। सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता।जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। देश में 22 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन लगा था तब हादसे पूरी तरह रुक गए थे।लॉकडाउन के खुलते ही सड़क हादसों में अप्रत्याशित वृद्वि हो गई।कोरोना महामारी में हादसे कम हो गए थे।लॉकडाउन में जगली जानवर सड़को पर विचरण करते थे।परिवहन पूरी तरह बंद था।प्रदूषण भी शून्य हो गया था।साल 2020 के अप्रैल व मई माह में यातायात के साधन बंद हो गए थे।जून माह में ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया तो फिर से करोडों वाहन सड़को पर दौड़ पड़े।जून 2020 से ही सड़क हादसों की रफतार बढ़ गई थी। साल 2021 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा था और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे थे। प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं में हजारों लोग अपंग हो गए जो ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें। देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना तथा चलते वाहनों में मोबाइल का प्रयोग ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखो लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए।2022 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें।देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के

लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए।आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन

खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं।बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं।देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं।ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं।सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क दादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं।बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता हैकेन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछती रहेगी लोग मरते रहेंगें। दुर्घटनाओं का कहर बरपता रहेगा। यदि सरकारे ऐसे ही

सोती रहेगी तो देश की सड़के खून से लाल होती रहेगी।मावन जीवन को बचा ना होगा क्योकि मानव जीवन दुर्लभ है। तभी सड़क सुरक्षा सप्ताह की सार्थकता होगी। (लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

आज का इतिहास 17 जनवरी

1562 फ्रांस में हुग्यूनो को मान्यता मिली.
1595 फ्रांस नरेश हेनरी चतुर्थ ने स्पेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1601 फ्रांस,स्पेन और सेवाय के बीच लियोंस संधि हुई थी.
1605 मुगल बादशाह अकबर असीरगढ़ किले में घुसने में सफल हुआ .
1656 स्वीडन और ब्रेंडेनबर्ग के बीच समझौता हुआ.
1706 अमरीकी राजनेता बेंजमिन फ्रैंकलिन का जन्म.
1852 दक्षिण अफ्रीकी गणराज्य ट्रांसवाल की स्थापना हुई.
1941 नेताजी सुभाषचंद्र बोस कलकत्ता से जर्मनी के लिए रवाना हुए.
1945 सोवियत सैनिकों और पोलैंड की राष्ट्रवादी नेताओं ने वारसा मुक्त कराया.
1988 कुर्दिस्तान की पहाड़ियों में ईरान ने इराक के खिलाफ कार्यवाही की.
1989 कोरिया युद्ध के बाद राष्ट्रसंघ और उत्तर कोरिया के सैन्य अधिकारियों की बैठक हुई.
1993 राव मंत्रिमंडल का पुर्नगठन.
2001 भारत ने अग्नि -2 का सफल परीक्षण किया.
2005 गोधरा कांड की जांच कर रही न्यायमूर्ति यू.एस.बनर्जी की अध्यक्षता में गठित समिति ने कहा कि यह हादसा था न कि साजिश.

मस्क 2050 तक दूसरे ग्रह पर बसाएंगे इंसानों की बस्ती, ताकि प्रलय की स्थिति में भी बचा रहे अस्तित्व

वॉशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी स्पेसएक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क मानव प्रजाति को बहुग्रहीय बनाना चाहते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि वह धरती के अलावा दूसरे ग्रहों पर भी इंसानों की बस्ती बसाना चाहते हैं। इसके लिए मस्क की पहली पसंद मंगल ग्रह है, जहां उन्होंने 2050 तक इंसानों की बस्ती बसाने की योजना बनाई है। अपनी इस योजना के समर्थन में एलन मस्क के पास ढेर सारे तर्क हैं। हाल ही में उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि अगर मानव प्रजाति को विलुप्त होने से बचाना है, तो उसे बहुग्रहीय बनाना होगा।

पूरा मामला एक रिपोर्ट को लेकर शुरू हुआ, जिसमें कहा गया है कि बड़े पैमाने पर प्राकृतिक घटनाओं के कारण पृथ्वी पर जीवन का इतिहास पांच सामूहिक जैव विविधता विलुप्ति की घटनाओं का गवाह रहा है। आज कई विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एक छठा सामूहिक विलुप्ति संकट आने वाला है, जिसके लिए इस बार पूरी तरह से मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार होंगी। एलन मस्क सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। उन्होंने इस रिपोर्ट के नीचे कमेंट करते हुए लिखा जब तक हम मानव प्रजाति को बहुग्रहीय नहीं बना लेते, तब तक इस बात की सौ प्रतिशत संभावनाएं हैं कि सूर्य के विस्तार के चलते 'सभी' प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।

यह पहली बार नहीं है मस्क ने दुनिया के खत्म होने की चेतावनी दी हो। इससे पहले अमेरिकी अरबपति बिजनेसमैन ने घटती जन्म दर के कारण वैश्विक जनसंख्या पर भी अपनी चिंता जताई है। धरती के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क इंसानों को मंगल ग्रह पर ले जाने का सपना देखते हैं। मंगल को लेकर उनका जुनून किसी से छिपा नहीं है। अक्सर अपने ट्वीट में बयानों में वह अपने मिशन को लेकर भविष्यवाणियां करते रहते हैं। मंगल पर एलन मस्क की बसाई दुनिया का हिस्सा सिर्फ मानव ही नहीं होंगे, बल्कि वह अन्य प्राणियों को भी लाल ग्रह की सैर करवाना चाहते हैं।

शब्द पहेली - 7170

बाएँ से दाएँ

1.जनमत-4
4.सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9.रुपया,पैसा -2
11.छोटी सवारी गाड़ी-2
12.घ्राणेंद्रिय-2
13.बेकार-3
15.झुका हुआ-2
16.बसंत काल-3
17.टिड्डा-3
18.अन्वेषण,ढूंढना-2
19.जलने की प्रक्रिया-3
21.एक विदेशी शराब-2
23.कला,हुनर-2
24.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25.आत्मबलिदानी-5
29.करामात-4
30.नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1.पूजा,प्रार्थना-4
2.मार्ग,पथ-2
3.यमराज,मृत्युदेवता-2
4.स्वच्छ-2
5.दूल्हा,वरदान-2
6.द्वेष,ईर्ष्या-4
8.तमीज,तहजीब-3
10.सेंधमार-5
11.चुगली करना-5
13.देवर्षि-3
14.रसद,खाद्य सामग्री-3
18.भयानक,डरावना-4
20.अक्षर (उर्दू-3)
22.संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25.तेज,सत्य-2
26.ईश्वर,भगवान-2
27.रुदन,क्रंदन-2
28.मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -7169 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

यूरोपीय फिगर स्केटिंग में रुस की कामिला को स्वर्ण

तालिन (ईएमएस)। रूसी फिगर स्केटर कामिला वलीवा ने यूरोपीय फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। वहीं विश्व चैंपियन फिगर स्केटर अन्ना शचरबकोवा 237.42 अंकों के साथ दूसरे जबकि एलेक्जेंड्रा टुसोवा 234.36 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग संघ की तालिन में हुई यूरोपीय फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में कामिला के अलावा रुस की दो अन्य खिलाड़ियों ने भी रजत और कांस्य पदक जीते हैं। 15 वर्षीय कामिला ने अपने शानदार शॉर्ट और फ्री स्केटिंग रूटीन से संयुक्त 259.06 अंक हासिल कर स्वर्ण अपने नाम किया।

विराट के फैसले का सम्मान करती है चयन समिति : बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी से दिये इस्तीफे से जहां हर कोई हैरान है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि यह विराट का

इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह कुछ बड़ी कंपनियों के दिसंबर, 2021 की तीसरी तिमाही के नतीजों से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस सहित कुछ अन्य कंपनियां अपने तीसरी तिमाही के प?रिणामों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा कोविड-19 की स्थिति, वैश्विक बाजार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश का रुख, रुपए-डॉलर का उतार-चढ़ाव और ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे। एक बाजार ?विश्लेषक ने कहा ?कि इस सप्ताह तिमाही नतीजों का सीजन रफ्तार पकड़ेगा। बाजार भागीदारों की निगाह रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज ऑटो, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कुछ शीर्ष कंपनियों के आमदनी के ब्योरे पर रहेगी। इससे पहले सोमवार को बाजार एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। अन्य घटनाक्रमों के अलावा बाजार की उम्मीदें बजट पर भी हैं। साथ ही वैश्विक संकेतक और कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन से जुड़ी खबरें भी बाजार पर असर डालेंगी। कई क्षेत्रों में बजट-पूर्व कदम शुरू हो गए हैं। यह इस सप्ताह भी जारी रहेंगे। वैश्विक बाजार कुछ अस्थिरता दिखा रहे हैं जिसका यहां भी असर पड़ सकता है। ?विशेषज्ञ कहते हैं ??कि कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने की संख्या और मृत्यु दर बहुत कम है। इसलिए बाजार ज्यादा चिंतित नहीं है। तीसरी तिमाही के नतीजों, वैश्विक संकेतकों और बजट-पूर्व उम्मीदों के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। सप्ताह के दौरान सिएट और बजाज फिनसर्व के तिमाही नतीजे भी आने हैं। इस सप्ताह बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र मुख्य केंद्र में रहेंगे। इसके अलावा बाजार की दिशा कोविड-19 से जुड़े घटनाक्रमों से भी तय होगी।

इस साल भारतीय पर्यटकों का पहला पसंदीदा पर्यटन स्थल है गोवा: सर्वे

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस साल भारतीय पर्यटक अंतरराष्ट्रीय के बजाय घरेलू पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करेंगे। गोवा भारतीय यात्रियों के लिए सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल है। एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है। सर्वे के अनुसार गोवा के बाद भारतीयों का दूसरा पसंदीदा स्थान मनाली है। सर्वे में 61 प्रतिशत भारतीयों ने कहा कि वे घरेलू गंतव्यों पर छुट्टियां बिताने जाना चाहेंगे। वहीं 25 प्रतिशत ने कहा था कि वे घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थलों की यात्रा भी करना चाहेंगे। हालांकि भारतीय यात्रा को लेकर रोमांचित हैं, लेकिन महामारी के बीच सुरक्षा अब भी उनके लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। 80 प्रतिशत लोगों ने कहा कि सुरक्षा उनके लिए चिंता का विषय है। हालांकि, इसके साथ ही उनका मानना है कि टीके की बूस्टर खुराक से यात्रा की उम्मीदें बेहतर होंगी। जहां तक पसंदीदा पर्यटक स्थलों की बात है, गोवा पहले स्थान पर रहा है। एक-तिहाई लोगों ने कहा कि वे गोवा जाना चाहेंगे। उसके बाद क्रमशः मनानी, दुबई, शिमला और केरल का नंबर आता है। सर्वे में शामिल 37 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अपने जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जाना चाहेंगे। 19 प्रतिशत का कहना था कि वे अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां बिताना पसंद करेंगे। वहीं 12 प्रतिशत ने अकेले यात्रा पर जाने की इच्छा जताई।

बैंक ऑफ बड़ौदा 1 फरवरी से नियमों में करेगा बदलाव

- चेक पेमेंट के लिए कंफर्मेशन अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंक ऑफ बड़ौदा आगामी 1 फरवरी से नए नियम लागू करने जा रहा है। इसमें बैंक ऑफ बड़ौदा के चेक क्लीयरेंस से जुड़े नियम 1 फरवरी से बदल जाएंगे। बैंक के नए ??नियम के मुताबिक 1 फरवरी से चेक पेमेंट के लिए कंफर्मेशन अनिवार्य होगा। अगर कंफर्मेशन नहीं होता है तो चेक वापस भी किया जा सकता है। ये नियम 10 लाख या इससे अधिक की रकम के चैक पर लागू होंगे। बैंक ने ग्राहकों से अपील की है ?कि आप सीटीएस क्लीयरिंग के लिए पॉजिटिव पे की सुविधा का लाभ लें। बैंक ने यह नियम चैक में होने वाली धोखाधड़ी से बचने के लिए किया है। बैंक ने कहा है कि विभिन्न माध्यमों से विवरणों की पुनः पुष्टि कर स्वयं को धोखाधड़ी से बचाएं। पॉजिटिव पे कंफर्मेशन के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा ने वर्चुअल मोबाइल नंबर 8422009988 की सुविधा दी है। सीपीपीएस लिखने के बाद अकाउंट नंबर, चेक नंबर, चेक डेट, चेक अकाउंट, ट्रांजेक्शन कोड, पेयी के नाम के साथ 8422009988 पर भेजने पर कंफर्मेशन हो सकता है। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 1800 258 4455 और 1800 102 4455 पर फोन किया जा सकता है।

बैंक से जुड़ी धोखेबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से समय-समय पर सुरक्षा के नए-नए उपाय किए जाते हैं। बैंक चेक के जरिए जालसाजी की घटनाओं को रोकने के लिए एक नया सिस्टम लाया गया। नया सिस्टम पॉजिटिव पे सिस्टम फोर चेक है। इसे देश में एक जनवरी से लागू किया गया। कई बैंकों ने इस सिस्टम को प्रभावी बना लिया है। पॉजिटिव पे सिस्टम के तहत कोई भी जब चेक जारी करेगा तो उसे अपने बैंक को पूरी डिटेल देनी होगी। इसमें चेक जारी करने वाले को एसएमएस, इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम या मोबाइल बैंकिंग के जरिए इलेक्ट्रॉनिकली चेक की तारीख, जिसके नाम चेक जारी किया गया है उसका नाम, बैंक खाता संख्या, चैक की रकम तथा अन्य जरूरी जानकारी बैंक को देनी होगी। इस सिस्टम से चेक से पेमेंट जहां सुरक्षित होगा, वहीं क्लियरेंस में भी कम समय लगेगा। चेक जारी करने वाला ये सभी जानकारी एसएमएस, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या एटीएम जैसे इलेक्ट्रॉनिक से मुहैया करा सकता है। चेक भुगतान से पहले इन जानकारियों को क्रॉस-चेक किया जाएगा। अगर इसमें कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो बैंक उस चेक को रिजेक्ट कर देंगे।

एटीएफ 4.2 प्रतिशत हुआ महंगा, पेट्रोल और डीजल के दामों में बदलाव नहीं

- दिल्ली में एटीएफ बढ़कर 79,294.91 रुपए प्रति किलोलीटर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाहन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 4.2 प्रतिशत बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के बीच इस महीने में दूसरी बार एटीएफ महंगा हुआ है। वहीं पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार 72वें दिन बदलाव नहीं हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार ?दिल्ली में एटीएफ की कीमतें 3,232.87 रुपए प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी के साथ 79,294.91 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई हैं। नए साल जनवरी में यह एटीएफ कीमतों में दूसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले एक जनवरी को विमान ईंधन के दाम 2,039.63 रुपए प्रति किलोलीटर बढ़ाए गए थे और यह 76,062.04 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया था। वहीं दिसंबर में एटीएफ कीमतों में दो बार कटौती की गई थी। उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम नीचे आए थे। उसके बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। नवंबर के मध्य में जेट ईंधन 80,835.04 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया था। एक और 15 दिसंबर को एटीएफ कीमतों में कुल मिलाकर 6,812.25 रुपए प्रति किलोलीटर की कटौती की गई थी। जेट ईंधन की कीमतों में हर महीने की एक और 16 तारीख को संशोधन किया जाता है।

वहीं पेट्रोल और डीजल कीमतों में प्रतिदिन संशोधन होता है, लेकिन वाहन ईंधन कीमतों में चार नवंबर, 2021 से बदलाव नहीं हुआ है। उस समय केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच रुपए और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर घटाया था। हालांकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम में काफी उतार-चढ़ाव रहा है। ब्रेंट कच्चा तेल पांच नवंबर, 2021 को 82.74 डॉलर प्रति बैरल पर था। एक दिसंबर को यह घटकर 68.87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। उसके बाद से इसके दाम बढ़ रहे हैं और यह 85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 95.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 86.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। उत्पाद शुल्क कटौती से पहले देशभर में वाहन ईंधन के दाम सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए थे।

स्टार्टअप में सालाना निवेश बढ़कर 36 अरब डॉलर पहुंचा: डीपीआईआईटी सचिव

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में निवेशक रुचि दिखा रहे हैं, यहीं वजह है कि ऐसी इकाइयों में निवेश तेजी से बढ़ रहा है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अनुराग जैन ने यह बात कही। जैन ने कहा कि स्टार्टअप इकाइयों में सालाना निवेश 11 अरब डॉलर से बढ़कर 36 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि देश में दुनियाभर से स्टार्टअप में आने वाले निवेश चार प्रतिशत से बढ़कर छह प्रतिशत हो गया है। इसमें घरेलू निवेश भी शामिल है। जैन ने यहां राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार समारोह में कहा ?कि देश में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में निवेशक काफी रुचि दिखा रहे हैं। पिछले एक साल के दौरान स्टार्टअप कंपनियों में निवेश 11 अरब डॉलर से बढ़कर 36 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टार्टअप इकाइयों को नियामकीय बोझ को सरल करने के लिए और अधिक सुझावों के साथ आने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे स्टार्टअप की कहानी को आगे बढ़ाया जा सकेगा। गोयल ने कहा ?कि मुझे यह जानकारी मिली है कि 2021 में स्टार्टअप क्षेत्र में 1,000 से अधिक सौदे हुए हैं और पहले नौ माह में इस क्षेत्र में 23 अरब डॉलर का निवेश आया है। उन्होंने कहा कि हमारे कई उद्यमी आगे बढ़ती नई स्टार्टअप इकाइयों के लिए मार्गदर्शक बन सकते हैं। हमें विभिन्न जिलों में स्टार्टअप पहुंच केंद्रों की स्थापना पर ध्यान देना चाहिए।

2022 से आठ यात्रियों वाले वाहन छह एयरबैग होना अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। अक्टूबर 2022 से आठ यात्रियों वाले वाहन में कम से कम छह एयरबैग होना अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा के लिए उठाया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि वाहन में सवार यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर), 1989 में संशोधन कर सुरक्षा 'फीचर्स को बढ़ाने का फैसला किया है। मंत्रालय ने 14 जनवरी को जारी अधिसूचना में कहा कि एक अक्टूबर, 2022 से विनिर्मित एम1 श्रेणी के वाहनों में छह एयरबैग लगाना अनिवार्य होगा। दुर्घटना की स्थिति में एयरबैग एक 'कवच' के रूप में काम करता है और ड्राइवर को डैशबोर्ड से टकराने में बचाता है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कई ट्वीट कर बताया कि ड्राइवर की सीट पर एयरबैग को एक जुलाई, 2019 से अनिवार्य किया गया है। वहीं आगे ड्राइवर के साथ वाली सीट के लिए एयरबैग को एक जनवरी, 2022 से अनिवार्य किया गया है। गडकरी ने कहा,आठ यात्रियों वाले वाहनों में लोगों की सुरक्षा के लिए मैंने जीएसआर अधिसूचना के मसौदे को मंजूरी दी है। इससे इसतरह के वाहनों में न्यूनतम छह एयरबैग अनिवार्य होगा। जीएसआर से आशय सामान्य सांविधिक नियमों से है। उन्होंने कहा कि आगे और पीछे की सीटों पर बैठे यात्रियों को दुर्घटना की स्थिति में एक दूसरे से टकराने से बचाने को एम1 वाहन श्रेणी में चार अतिरिक्त एयरबैग को अनिवार्य करने का फैसला किया गया है।

गडकरी ने कहा, दो साइड/साइड टॉर्सो एयरबैग और दो साइड कर्टेन/टयूब एयरबैग वाहन में सवार सभी यात्रियों की सुरक्षा करते हैं। यह देश में मोटर वाहनों को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2020 में एक्सप्रेसवे सहित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर कुल 1,16,496 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 47,984 लोगों की जान गई। पिछले साल गडकरी ने कहा था कि निम्न मध्यम आय वर्ग के लोग छोटी कारें खरीदते हैं।उनमें भी पर्याप्त संख्या में एयरबैग होने चाहिए। उन्होंने कहा था, 'वाहन कंपनियां बड़ी कारों में आठ एयरबैग देती हैं, ये कारें अमीर लोग खरीदते हैं।'' उन्होंने सभी वाहन विनिर्माताओं से वाहनों के सभी संस्करणों में कम से कम छह एयरबैग देने का आग्रह किया था।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में सोने का आयात बढ़कर 38 अरब डॉलर

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर, 2021 में देश का सोने का आयात दोगुना से अधिक होकर 38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी ?किए गए आंकड़ों से ?मिली है। मांग ऊंची रहने से सोने के आयात में बढ़ोतरी हुई है। सोने का आयात चालू खाते के घाटे (कैड) को प्रभावित करता है। अप्रैल-दिसंबर, 2020 में सोने का आयात 16.78 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2021 में सोने का आयात बढ़कर 4.8 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 4.5 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सोने के आयात में बढ़ोतरी से व्यापार घाटा भी बढ़कर 142.44 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 61.38 अरब डॉलर पर था। इसी तरह वित्त वर्ष के पहले नौ माह में चांदी का आयात भी बढ़कर दो अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 76.2 करोड़ डॉलर था। भारत दुनिया में चीन के बाद सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 71 प्रतिशत बढ़कर 2.9 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सितंबर तिमाही में देश का चालू खाते का घाटा 9.6 अरब डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.3 प्रतिशत रहा।

देश में साथ-साथ चल रही हैं दो महामारियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना वायरस के साथ-साथ ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामलों में भी बढ़ोतरी हो रही है। इस बीच साइंटिस्ट यह पता लगाने में जुटे हुए हैं कि क्या ओमिक्रॉन पूरी तरह से अलग महामारी है। वायरोलॉजिस्ट और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व प्रमुख डॉ टी जैकब जॉन ने कहा कि इस बात की बहुत संभावना है कि दो महामारियां साथ-साथ चल रही हैं हों। जिनमें एक कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट तो दूसरा ओमिक्रॉन हो सकता है। ओमिक्रॉन 'वुहान-डी 614 जी, अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, कप्पा या म्यू द्वारा उत्पन्न नहीं है और यह सुनिश्चित है।' जॉन ने कहा, 'मेरी राय में, यह अज्ञात वंश का एक प्रकार है, लेकिन यह वुहान-डी614जी से जुड़ा हुआ है ... हम इसे महामारी के आगे बढ़ने के रूप में देखेंगे। डी614जी इस प्रोटीन में एक अमीनो एसिड उत्परिवर्तन को संदर्भित करता है जो दुनियाभर के सार्स-सीओवी-2 वायरस में तेजी से सामान्य हो गया है। उन्होंने कहा कि ओमीक्रोन कोविड-19 महामारी से कुछ अलग है और इसलिए यह माना जाना चाहिए कि दो महामारियां साथ-साथ चल रही हैं। उन्होंने कहा, 'उनके कारण होने वाली बीमारियां भी अलग हैं। एक निमोनिया-हाइपोक्सिया-मल्टीऑर्गन क्षति रोग है, लेकिन दूसरा ऊपरी मध्य श्वसन रोग है।' यह पूछे जाने पर कि क्या तीसरी लहर अपने चरम पर पहुंच गयी है क्योंकि कुछ जगहों पर मामले कम होने लगे हैं, जॉन ने कहा कि महानगरों में पहले संक्रमण शुरू हुआ था और पहले खत्म होगा। उन्होंने कहा, ''सभी साथ में एक राष्ट्रीय महामारी हैं। कोरोना वायरस के अत्यधिक संक्रामक वैरिएंट ओमिक्रॉन से भारत में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर चल रही है। देश में कोविड-19 के 2,71,202 नए मामले आने के बाद संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 3,71,22,164 हो गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार के अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक इनमें कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के 7,743 मामले भी शामिल हैं।

खराब पासपोर्ट वाले देशों की रैंकिंग में पाकिस्तानी पासपोर्ट 108वें स्थान पर रहा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी पासपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए लगातार तीसरे वर्ष भी विश्व में चौथे सबसे खराब की श्रेणी में रखा गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स ने दुनिया के सबसे अच्छे और खराब पासपोर्ट वाले देशों की एक सूची जारी की है जिसमें सबसे खराब पासपोर्ट वाले देशों की सूची में पाकिस्तान का नाम भी शामिल है। इस पासपोर्ट के साथ विश्व भर में 31 ही ऐसे गंतव्य की यात्रा की जा सकती है जहां बिना वीजा या पहुंचने पर वीजा पाने की सुविधा हासिल है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2022 के अनुसार, खराब की श्रेणी में पाकिस्तानी पासपोर्ट चौथे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे गंतव्यों की संख्या जहां पासपोर्ट धारक बिना पूर्व वीजा के पहुंच सकते हैं, के आधार पर हेनले पासपोर्ट इंडेक्स ने विश्व के सभी पासपोर्ट की रैंकिंग की है। इस रैंकिंग में पाकिस्तान को 108वें स्थान पर रखा गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2006 से नियमित रूप से विश्व के सर्वाधिक ट्रैवल फ्रेंडली पासपोर्ट की निगरानी कर रहा है। कोरोना महामारी के कारण यात्रा पर प्रतिबंध बढ़ रहे हैं। इंडेक्स में अस्थायी रूप से प्रतिबंध को ध्यान में नहीं लिया जाता है।

नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भले ही दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है, लेकिन जापान और सिंगापुर वर्ष 2022 के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की सूची में शीर्ष पर हैं। इन दोनों देशों का वीजा-फ्री स्कोर 192 है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 190 के स्कोर के साथ दक्षिण कोरिया जर्मनी के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, भारत ने अपनी रैंक में सुधार किया है और वर्तमान में 60 वीजा-फ्री स्कोर के साथ सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रिपोर्ट में पहले के 90वें स्थान से 83वें स्थान पर पहुंच गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स सूचकांक में आयरलैंड और पुर्तगाल पांचवें स्थान पर हैं। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम, जिन्होंने 2014 में एक साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, उनकी रैंकिंग कम हो गई है और साल 2022 की रैंकिंग में ये दोनों देश छठवें स्थान पर हैं।

अफगानिस्तान में संगीत पर रोक, तालिबान ने चौराहे पर फूंके गायकों के वाद्ययंत्र

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद लोगों पर कई तरह के प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। तालिबान ने संगीत सुनने पर भी रोक लगा दी है, संगीत सुनने को अफगानिस्तान में 'अपराध' की तरह ही देखा जाता है। तालिबान संगीत से नफरत करता है और इस कुंठा को संतुष्ट करने के लिए समय-समय पर वह संगीत वाद्ययंत्रों को तोड़ता रहता है।

हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है जिसमें तालिबान को कुछ वाद्ययंत्रों को जलाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि तालिबान ने अफगानिस्तान के पख्तिया प्रांत के जाजी अरयूब जिले में कुछ संगीत वाद्ययंत्रों में आग लगा दी। वीडियो को ट्विटर यूजर इहतेशाम अफगान ने पोस्ट किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा तालिबान ने पख्तिया प्रांत के ज़ाज़ी आरयूब जिले में गायकों के संगीत वाद्ययंत्रों में आग लगा दी। तालिबान के इस्लाम में आतंकवाद और हत्या की अनुमति है, लेकिन जो कुछ भी नफरत को खत्म करता है, प्यार बढ़ाता है, मानव जीवन में खुशी लाता है, वह हराम है।

इहतेशाम ने कहा कि यह आज का अफगानिस्तान है। तालिबान राज में गाड़ियों के भीतर संगीत सुनने की अनुमति नहीं है। इस कट्टरपंथी शासन का सबसे बड़ा शिकार महिलाएं हुई हैं, जिनकी शिक्षा से लेकर परिधान तक पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है। बिना हिजाब के महिलाओं के बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई है। इस्लामिक अमीरात के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा उन्होंने सभी ड्राइवरों से अपनी कारों में संगीत बजाने और बिना हिजाब वाली किसी महिला को बिठाने से परहेज करने के लिए कहा है।

तालिबानी फरमान के मुताबिक ड्राइवर किसी महिला को उसके पति या किसी अन्य संबंधित पुरुष की मौजूदगी के बिना अपनी कार के अंदर नहीं बिठा सकते। नमाज के समय ड्राइवरों को अपनी कारों को रोकना होगा। सख्त आदेश है कि कार चलाते समय ड्राइवर नशे की हालत में नहीं होना चाहिए। तालिबान ने पिछले साल काबुल पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से तालिबान ने देशवासियों के लिए नए नियम बनाए हैं। इससे अफगानों की उस मेहनत पर पानी फिर गया है जो तरक्की हासिल करने के लिए उन्होंने बीते 20 सालों में की थी।

ड्रैगन की नकेल कसने अमेरिकी सीनेट में चीन के खिलाफ नया दुर्लभ-पृथ्वी विधेयक पेश

वॉशिंगटन (ईएमएस)। ड्रैगन के खिलाफ अमेरिका की लामबंदी जारी है अब अमेरिकी सीनेट में चीन की नकेल कसने के लिए एक नया दुर्लभ-पृथ्वी विधेयक पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य रक्षा ठेकेदारों को 2026 तक चीन से प्राप्त दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के उपयोग को समाप्त करने के लिए मजबूर करना है। चीनी सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीनी विशेषज्ञों ने कहा कि यह चीन के विकास को रोकने के लिए चीन के खिलाफ अमेरिका का एक और राजनीतिक कदम है, लेकिन यह चीन के दुर्लभ-पृथ्वी क्षेत्र के विकास में बाधा नहीं बनेगा। बीजिंग स्थित अनबाउंड कंसल्टिंग के एक वरिष्ठ विश्लेषक लियू एनकियाओ ने बताया कि वॉशिंगटन की अपनी दुर्लभ-पृथ्वी आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के लक्ष्य की श्रृंखला को देखते हुए यह कदम आश्चर्यजनक नहीं है। इस कदम के पीछे व्यापक संदर्भ अमेरिका-चीन संबंधों का बिगड़ना है। इसके अलावा, अमेरिका चीन की दुर्लभ पृथ्वी की आपूर्ति पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जो हथियारों सहित उच्च तकनीक वाले उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। चीन के पास 44 मिलियन टन दुर्लभ पृथ्वी भंडार है, जो वैश्विक भंडार का 36।7 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में, चीन ने 140,000 टन दुर्लभ पृथ्वी का उत्पादन किया, जो वैश्विक उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत है।

पाकिस्तानी आतंकी साइंटिस्ट आफिया को छुड़ाने के लिए अमेरिका में आतंकी हमला

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका के टेक्सास में पाकिस्तानी आतंकी साइंटिस्ट आफिया सिद्दीकी को छुड़ाने के लिए आतंकियों ने हमला कर दिया। यह आतंकी हमला यहूदियों के एक पूजा स्थल पर देखने को मिला। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी साइंटिस्ट आफिया को छुड़ाने के लिए आतंकवादियों ने चार लोगों को बंधक भी बना लिया। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं बता दें कि यहूदी मंदिर में चार लोगों को बंधक बनाने वाले आतंकवादियों की मांग थी कि टेक्सास जेल में बंद साइंटिस्ट आफिया सिद्दीकी को रिहा किया जाए। ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी और मैसाचुसेट्स इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी से डिग्री लेने वाली पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी सिद्दीकी को 2010 में 86 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन पर दो साल पहले अफगानिस्तान में हिरासत में लिए जाने के बाद अमेरिकी सेना के अधिकारियों पर हमला करने और गोली मारने का आरोप है। हालांकि यहूदियों के एक पूजा स्थल में बंधक बनाए गए लोगों को करीब 12 घंटे बाद शनिवार रात को रिहा करा लिया गया। गवर्नर ग्रेग एबॉट ने यह जानकारी दी। एबॉट ने ट्वीट किया, ''प्रार्थनाएं सुन ली गईं। सभी बंधक जीवित और सुरक्षित हैं। एबॉट के इस ट्वीट से पहले प्रार्थना स्थल में गोलियां चलने जैसी आवाजें सुनी गई थीं। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति ने लोगों को बंधक बना लिया है और वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के अधिकारियों की हत्या के प्रयास के लिए दोषी ठहराई गई एक पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी की रिहाई की मांग कर रहा है। बचाव अभियान की विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि बंधक बनाने वाला संदिग्ध जिंदा है या उसे मार गिराया गया है। दो सुरक्षा अधिकारियों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि शुरू में कम से कम चार बंधकों के पूजा स्थल में होने का अनुमान था। अधिकारियों में से एक ने कहा कि माना जाता है कि बंधकों में पूजा स्थल के रब्बी (यहूदी धार्मिक नेता) भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति ने अपने पास हथियार होने का दावा किया लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की। अधिकारी अब भी हमले के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि बंधक बनाने वाले ने घटना की 'लाइवस्ट्रीमिंग' (सोशल मीडिया मंच पर सीधा प्रसारण) भी की, जिसमें व्यक्ति को एक पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी को रिहा करने की मांग करते सुना जा सकता है, जिस पर अलकायदा से संबंध रखने का संदेह था और अफगानिस्तान में हिरासत में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों को मारने की कोशिश करने का दोषी ठहराया गया था। अधिकारियों के अनुसार, व्यक्ति ने यह भी कहा कि वह आफिया से बात करना चाहता है। आफिया सिद्दीकी टेक्सास की संघीय जेल में बंद है। एक अधिकारी ने बताया कि न्यूयॉर्क शहर में एक रब्बी को संभवतः बंधक बनाए गए रब्बी का फोन आया था जिसके बाद न्यूयॉर्क शहर के रब्बी ने घटना की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस को फोन किया। एफबीआई डलास के प्रवक्ता केटी चाउमोंट ने कहा कि पुलिस पहले सुबह 11 बजे के आसपास पूजा स्थल पहुंची और उसके तुरंत बाद आसपास के इलाकों से लोगों को निकाला गया। चाउमोंट ने कहा कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शनिवार शाम ट्वीट किया कि राष्ट्रपति जो बाइडन को इस बारे में जानकारी दे दी गई है और उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से पल-पल की सूचना मिल रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि वह स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, ''हम बंधकों और बचाव दल की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं

सरकार व नागरिक देशहित में एकजुट होकर हो, तो देश हर चुनौती पर विजय पा सकता है: गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में कोरोना टीकाकरण का एक वर्ष पूरा होने पर समस्त देशवासियों को बधाई दी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत व प्रेरक नेतृत्व में कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में विश्व के सबसे बड़े मुफ्त टीकाकरण अभियान के सफलतम 1 वर्ष पूर्ण होने पर देश के प्रतिभावान वैज्ञानिकों, स्वास्थ्यकर्मियों, सभी कोरोना योद्धाओं और देशवासियों को बधाई दी''। अमित शाह ने कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व, दृढ़ संकल्प व निरंतर प्रयासों से भारत ने विश्व में एक आदर्श स्थापित किया है कि अगर सरकार व नागरिक देशहित में एकजुट होकर एक साझा लक्ष्य तय कर लें, तो कैसे देश हर चुनौती पर विजय पाकर असंभव को भी संभव बना सकता है''।

भारतीय दूतावास बोला- नेपाल से लगी सीमा पर भारत का रुख पहले जैसा और साफ है

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल में भारतीय दूतावास ने सीमा को लेकर अपने रवैये को लेकर यहां कहा कि नेपाल से लगी उसकी सीमा भारत का रुख जगजाहिर, पहले जैसा और स्पष्ट है। भारत की ओर से यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब नेपाल के विपक्षी दलों ने उन खबरों को लेकर असंतोष जताया है, जिसमें दावा किया गया था कि भारत सरकार उन क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां कर रही है, जिन्हें नेपाल ने अपने नक्शे में शामिल किया है। नेपाल के मुख्य विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से सीमा मुद्दे पर बोलने और लिपुलेख पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। यूएमएल के विदे

24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 10150 नए मरीज, 6096 लोग हुए डिस्चार्ज, 8 मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में दो दिन की राहत के बाद आज फिर कोरोना के दैनिक केसों की संख्या में इजाफा हुआ है। रविवार को राज्य में कोरोना के 10150 नए मरीज सामने आए हैं, जबकि शनिवार को यह संख्या 9177 थी। आज राज्य में 6096 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। वहीं 8 मरीजों की कोरोना से जान चली गई। पिछले 24 घंटों में आज सबसे अधिक कोरोना के मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3264, सूरत कॉर्पोरेशन में 2464, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1151, राजकोट कॉर्पोरेशन में 378, भावनगर कॉर्पोरेशन में 322, सूरत में 293, वलसाड में 283, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 203, जामनगर कॉर्पोरेशन में 202, कच्छ में 157, भरुच में 130, आणंद में 114, नवसारी में 97, वडोदरा में 91, मोरबी में 90, राजकोट में 89, मेहसाणा में 85, पाटन में 84, गिर सोमनाथ में 83, गांधीनगर में 61, देवभूमि द्वारका में 55, बनासकांठा में 54, भावनगर में 54, सुरेन्द्रनगर में 54, अहमदाबाद में 51, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 44, खेडा में 35, अमरेली में 34, जामनगर में 32, दाहोद में 17, साबरकांठा में 15, महीसागर में 11, पंचमहल में 11, नर्मदा में 10, तापी में 9, जूनागढ़ में 8, अरवल्ली में 6, डांग में 4, छोटाउदेपुर में 3, बोटाद में 1 और पोरबंदर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 10150 पॉजिटिव केस दर्ज हुए। जबकि 6096 लोगों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ ही राज्य में अब तक 852471 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2, भावनगर कॉर्पोरेशन में 2, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 और तापी में 1 समेत राज्यभर में 8 मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10159 हो गया है। गत 16 जनवरी 2021 से शुरू हुए टीकाकरण अभियान के तहत राज्य में आज तक कुल 9 करोड़ 47 लाख 98 हजार 818 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है। आज 138536 लोगों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 7 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 124 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 2079 को कोविड की पहली और 9108 लोगों को दूसरी वैक्सीन दी गई। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 21235 को पहला और 24619 लोगों को कोरोना का दूसरा टीका दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 66648 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया। वहीं 14716 नागरिकों को आज राज्यभर में प्रिकॉशन डोज दिया गया।

कार और ट्रेक्टर के बीच दुर्घटना में दो बच्चों समेत 5 की मौत, 3 लोग हुए घायल

बनासकांठा (ईएमएस) थराद-धानेरा हाईवे पर पावडासलण पाटिया के निकट अल्टो कार और ट्रेक्टर ट्रोली के बीच हुई दुर्घटना में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जिसमें 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। रविवार तड़के बनासकांठा जिले में थराद-धानेरा हाईवे पर पावडासण के निकट तेज रफ्तार एक अल्टो कार आगे चल रहे ट्रेक्टर ट्रोली के पीछे घुस गई। अंधेरा होने की वजह से कार चालक आगे चल रहे ट्रेक्टर को देख नहीं पाया। ट्रोली से टकराते ही कार के अगले कार के चीथड़े उड़ गए और 2 बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जिसमें 55 वर्षीय गेमरजी ठाकोर, 35 वर्षीय रमेश ठाकोर, 30 वर्षीय अशोक ठाकोर, 7 वर्षीय टीपू ठाकोर और 2 वर्षीय शैलेष ठाकोर शामिल हैं। मृतकों के चार लोग भाख़डियाल के और एक जाडियाली निवासी थी। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। यह दुर्घटना उस समय हुई जब खेडा निवासी एक परिवार भाखडियाल जा रहा था। धानेरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजकोट मंडल के आरपीएफ स्टाफ ने ट्रेन एवं स्टेशन पर छूटे हुए यात्रियों के कीमती बैग लौटाए

राजकोट मंडल के समर्पित कर्मचारी अपने सम्माननीय ग्राहकों को सुखद और सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार इसी क्रम में हाल ही में 14 जनवरी, 2022 को गाड़ी संख्या 22923 बांद्रा-जामनगर हमसफर एक्सप्रेस के जामनगर स्टेशन आगमन पर कांस्टेबल श्री धर्मेन्द्र को गाड़ी को चेक करने के दौरान ँ2 कोच मे एक लाल रंग का बैग लावारिस हालत में मिला। ईमानदारी दिखते हुए उन्होने इस बैग को आरपीएफ ऑफिस में जमा करवाया। कुछ समय पश्चात श्री पटलिया विनोदराय नामक यात्री नाम आरपीएफ पोस्ट पर आया और बताया कि गाड़ी संख्या 22923 के ँ2 कोच सीट नंबर 49 मे वडोदरा से जामनगर तक यात्रा के दौरान वह बैग भूलवश ट्रेन में ही भूल गया था। जानकारी के पूर्ण सत्यापन के बाद बैग और उसका सारा सामान जिसकी कीमत करीब 18000/- रु थी यात्री को लौटा दिया गया।

इसी तरह 15 जनवरी, 2022 को गाड़ी संख्या 11465 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस की एस्कोटिंग पार्टी स्टाफ कांस्टेबल विजय सुहाग ने सूचना दी कि श्री गुलाबचंद जैन नामक यात्री जो कि सुरेंद्रनगर से पत्थरिया तक यात्रा कर रहा था, वह एक ब्लेक कलर का बैग सुरेंद्रनगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं 03 पर भूल गया है। सूचना प्राप्त होते ही आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर श्री चन्द्रजीत यादव तथा कांस्टेबल श्री पुष्पेंद्रसिंह द्वारा तलाश करने पर यह बैग प्लेटफार्म पर रखा हुआ मिला। इसके बाद जब यात्री आरपीएफ पोस्ट-सुरेंद्रनगर पर उपस्थित हुआ तब जानकारी के पूर्ण सत्यापन के बाद बैग और उसका सारा सामान जिसमें एक लेनोवा टेबलेट व एक रेडमी कंपनी का मोबाइल शामिल था जिसकी कुल कीमत करीब 32000/- रु थी यात्री को लौटा दिया गया।

राजकोट डिविजन के मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री पवन कुमार श्रीवास्तव ने संबंधित रेलकर्मियों द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही, ईमानदारी और कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की है।

कांग्रेस विधायक विमल चूडास्मा का सरकारी अधिकारियों को लेकर विवादित बयान

गिर सोमनाथ (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे अभी 10-11 महीने का समय बाकी है और उससे पहले नेताओं की विवावित बयानबाजी की शुरुआत हो गई है। कांग्रेस विधायक ने धमकीभरे लहजे में कहा है कि 2022 में हमारी सरकार आने पर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय करने वाले अधिकारियों को हिसाब कर देंगे। दरअसल गिर सोमनाथ जिले के वेरावल में सरपंच सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस विधायक विमल चूडास्मा जोश में अपना होश खो बैठे और सरकारी अधिकारियों को लेकर विवादित बयान दे डाला। विमल चूडास्मा ने कहा कि 2022 विधानसभा चुनाव जीतकर गुजरात में कांग्रेस सरकार बनाएगी। हमारी सरकार आने पर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय करनेवाले सरकारी अधिकारियों को घर बैठा देंगे। उन्होंने दावा किया कि अभी सरकारी कार्यक्रम ऐसे आयोजित किए जाते हैं, जैसे भाजपा के कार्यक्रम हैं। भाजपा का भगवा पटका डालकर सरकारी कार्यक्रम मनाए जाते हैं। विमल चूडास्मा ने आरोप लगाया कि सरकारी कार्यक्रमों में कांग्रेस के पदाधिकारियों को बुलाया नहीं जाता। कई बार तो कांग्रेस विधायकों को आमंत्रित तक नहीं किया जाता। ऐसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए चूडास्मा ने कहा कि भाजपा सरकार केवल अधिकारियों का तबादला करेगी, लेकिन कांग्रेस सरकार ऐसे अधिकारियों को घर बैठा देगी। कांग्रेस के यह वही विधायक हैं जो पिछले साल मार्च महीने में गुजरात विधानसभा के सत्र में काले रंग की टी शर्ट पहनकर पहुंचे थे। टी शर्ट पर लिखा था फ्री स्पीरिट। उस वक्त गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने सदन की गरिमा के अनुरूप वस्त्र पहनकर सत्र में आने की विमल चूडास्मा को हिदायत दी थी। साथ ही ऐसे टी शर्ट पहनकर सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं होने को भी कहा था।

पुलिस का छोटे से छोटा कांस्टेबल भी स्वीफ्ट कार में घूम रहा है : जयंत बोस्की

भावनगर (ईएमएस) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के गुजरात प्रदेश प्रमुख जयंत बोस्की ने आज गुजरात पुलिस को लेकर बड़ा बयान दिया है। जयंत बोस्की का कहना है कि छोटे से छोटा कांस्टेबल भी आज स्वीफ्ट कार में घूम रहा है। ऐसे मामलों की सरकार को जांच करानी चाहिए। गुजरात में एनसीपी और कांग्रेस गठबंधन कर चुनाव लड़ेंगे, यह तय माना जा रहा है। हांलाकि अभी कांग्रेस और एनसीपी के बीच सीटों को लेकर बातचीत नहीं हुई है। ऐसे में जयंत बोस्की ने आज भावनगर पश्चिम विधानसभा सीट से भीखाभाई जाजडिया के नाम का ऐलान कर दिया है। इस मौके पर वहां मौजूद कार्यकर्ता और समर्थकों को संबोधित करते हुए जयंत बोस्की ने कहा कि गुजरात पुलिस का आज छोटे से छोटा कांस्टेबल स्वीफ्ट कार लेकर घूमता है। जो कांस्टेबल कभी बस में सवारी करते थे, वह आज 8-9 लाख रुपए कीमत की कारों में घूम रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इन कारों में गोरखधंधे चलते हैं, ऐसी अनेक शिकायतें उन्हें मिली हैं। ऐसी पुलिस गाड़ियां आती हैं और लोगों से रुपयों की उगाही की जाती है। बोस्की ने कहा कि सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को ऐसे पुलिसकर्मी सही हैं या गलत इसकी जांच करनी चाहिए। इस संदर्भ में मैं राज्य के गृह राज्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट करूंगा और सार्वजनिक तौर पर कहने के साथ ही लिखित में शिकायत करूंगा। पुलिस विभाग पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस विभाग की जिम्मेदारी है कि उसके नाम की गाड़ियों का कोई दुरुपयोग न करे। काले शीशों वाली कारों में होनेवाले गोरखधंधों के बारे में पुलिस को जांच करनी चाहिए।

मकर संक्रांति पर्व खत्म होते ही टेस्टिंग डोम पर लगी कतारें, टेस्टिंग बढ़ाने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। हांलाकि पिछले दो दिनों से दैनिक मामलों में कमी जरूर आई है। मकर संक्रांति पर्व खत्म होते ही टेस्टिंग करानेवालों की टेस्टिंग डोम पर लंबी लंबी कतारें लगने लगी हैं। इनमें कितने लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, यह स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में पता चलेगा। फिलहाल टेस्टिंग डोम बढ़ाने की मांग हो रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों का टेस्टिंग किया जा सके। बता दें कि गुजरात में गुरुवार को कोरोना के 11176, शुक्रवार को 10019 और शनिवार को 9117 नए केस सामने आए। पिछले कई दिनों से राज्य में सबसे अधिक कोरोना के मामले अहमदाबाद में दर्ज हो रहे थे और अहमदाबाद में कोरोना के केसों में कमी आई है। जिसकी वजह से शहर में माइक्रो कंटेंटमेंट जोन की संख्या भी घटी है। 15 जनवरी को अहमदाबाद में 14 इलाकों को माइक्रो कंटेंटमेंट जोन घोषित किया गया, वहीं 22 क्षेत्रों में माइक्रो कंटेंटमेंट जोन से मुक्त किया गया। अहमदाबाद में माइक्रो कंटेंटमेंट जोन की संख्या 165 से घटकर 157 हो गई है। मकर संक्रांति का त्यौहार खत्म होने के बाद फिर एक बार टेस्टिंग डोम पर लंबी कतारें लग रही हैं और इसमें कितने पॉजिटिव मामले हैं यह तो स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से पता चलेगा। लिकिन लोगों की लापरवाही को देखते हुए राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार ने भले ही कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए मकर संक्रांति पर्व मनाने की लोगों से अपील की थी। लेकिन लोगों ने कोविड नियमों की ऐसी तैसी करते हुए मकर संक्रांति का त्यौहार मनाया। कई लोगों का कहना है कि राज्यभर में कड़ाके की ठंड हो रही है और ऐसे में सुबह से लोग छतों पर पतंगबाजी के लिए पहुंच जाते हैं, ऐसे में शर्दी-खांसी के मामले बढ़ रहे हैं। जबकि कई लोग शर्दी-खांसी की शिकायत के बाद टेस्टिंग डोम पर कतारों में दिखाई दे रहे हैं। लंबी लंबी कतारों के चलते लोग टेस्टिंग डोम की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे ह

कोरोना के चलते वडताल स्वामीनारायण मंदिर में आज होनेवाले शाकोत्सव कार्यक्रम रद्द

खेडा (ईएमएस) राज्य में कोरोना संक्रमण बढ़ने की वजह से अंबाजी, शामलाजी, खेडब्रह्मा और डाकोर के रणछोड़राय मंदिर पोष की पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। खेडा के वडताल स्वामीनारायण मंदिर में पोष पूर्णिमा पर होनेवाला शाकोत्सव कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया है। स्वामीनारायण संप्रदाय में पोष पूर्णिमा का काफी महत्व है और इस अवसर पर शाकोत्सव का आयोजन किया जाता है। 17 जनवरी, पोष पूर्णिमा के अवसर पर वडताल स्वामीनारायण मंदिर में शाकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। लिकिन कोरोना की तीसरी लहर में खेडा जिले में दैनिक मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। जिसे देखते हुए वडताल स्वामीनारायण मंदिर प्रशासन ने ऐहतियात के तौर पर पोष पूर्णिमा होनेवाले शाकोत्सव कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। हांलाकि 17 जनवरी को मंदिर आनेवाले भक्तगणों को कोविड गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक हरिभक्त को मौजूदा कोरोना स्थिति के अनुसार सरकारी मार्गदर्शिका के मुताबिक मास्क एवं सोशल डिस्टेंस का पालन करना होगा। पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम भी नियंत्रित रहेंगे। मंदिर में देवदर्शन के दौरान सोशल डिस्टेंस मेंटेन करना होगा।

आदिजाति नागरिकों के लिए अपमानजनक शब्द के उपयोग के लिए माफी मांगे सरकार : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस ने गुजरात आदिजाति विकास कॉर्पोरेशन के विज्ञापन में आदिजाति नागरिकों के लिए अपमानजनक शब्द के उपयोग किए जाने के मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ तुरंत कार्यवाही करने और भाजपा सरकार से माफी मांगने की मांग की है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि गुजरात आदिजाति विकास कॉर्पोरेशन के विज्ञापन में आदिवासी समाज के लिए ''इसमो'' के तौर पर उल्लेख किया है, जो एक अपमानजनक शब्द है। बता दें कि गुजरात में ''इसम'' शब्द का उपयोग आपराधिक मामलों में किया जाता है। गुजरात सरकार के गुजरात आदि जाति विकास कॉर्पोरेशन की ओर से एक विज्ञापन जारी किया गया है। जिसमें आदिजाति के लिए विभिन्न सहायता योजना का उल्लेख है। विज्ञापन में ''आदिजाति इसमोने विविध सहाय योजना'' लिखा है। ''इसम'' शब्द को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है और कहा है कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज का घोर अपमान किया है। आदिजाति के नागरिकों को सम्मान देने के बजाए आदिवासी समजा की संस्कृति-पहचान को नष्ट करने का भाजपा सरकार का एक और षडयंत्र का पर्दाफाश हो गया है। वनबंधु-वनवासी के नाम पर आदिवासी समाज की पहचान मिटाने का भाजपा सरकार लंबे समय से प्रयास कर रही है। अंबाजी से लेकर उमरगाम तक आदिवासी समाज के बच्चों से शिक्षा के अधिकार छीन लिए हैं। आदिवासी समाज के बच्चे सबसे अधिक कुपोषित हैं और बड़े पैमाने पर महिलाएं भी कुपोषण का शिकार हो रही हैं। मध्याह्न भोजन योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, संजीवनी दूध योजना लंबे समय से बंद होने की वजह से आदिवासी समाज के बच्चों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वनबंधु योजना के नाम पर करोड़ों रुपयों की हेराफेरी भाजपा नेता और उनके करीबी कर रहे हैं। जंगल की जमीन का अधिकार देने में भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के साथ लंबे समय तक अन्याय किया। आदिवासी-आदिजाति कल्याण के सबप्लान की रकम अन्य जगह और अन्य उद्देश्य पर खर्च कर आदिवासी परिवारों को अनेक योजनाओं से वंचित रखा। खाद्य नागरिक आपूर्ति के अंतर्गत मिलने योग्य अनाज समेत अन्य चीजवस्तुएं भी आदिवासी क्षेत्र में उपलब्ध नहीं होती और इसका ज्यादातर स्टॉक रफादफा किया जा रहा है। ऐसे आदिजाति समाज के अधिकार देने में निष्फल भाजपा सरकार आदिवासी नागरिकों का अपमान करना और उनके संवैधानिक अधिकारों को छीनने का प्रयास बंद करे। गुजरात आदिजाति विकास कॉर्पोरेशन के विज्ञापन में जिस अधिकारी ने आदिवासी समाज/नागरिकों के लिए अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया है उसके खिलाफ तत्काल कार्यवाही की जाए और इस पूरे मामले के लिए भाजपा सरकार को आदिवासी समाज से माफी मांगे।

मकर संक्रांति के दिन धूमधाम से हुआ बछड़े और बछिया का विवाह

सूरत (ईएमएस)। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार खरमास के महीने में नए या मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। इन दिनों शादी, सगाई, मुंडन और भवन निर्माण जैसे मंगल कार्य पूरी तरह से वर्जित होते हैं। मकर संक्रांति के दिन से ही शुभ कार्यों का आरंभ किया जाता है। इसी के तहत गुजरात के सूरत में मकर संक्रांति के पर्व पर गाय के बछड़े और बछिया की शादी मंदिर में धूमधाम से कराई गई।

इस शादी में बछड़ा और बछिया पक्ष के लोग शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते गाते बाराती सूरत के लाडवी गांव पहुंचे। जहां दूल्हे राजा और बारात में आए बारातियों के स्वागत के लिए वधू पक्ष के लोग मौजूद थे। शादी में शामिल हुए लोगों की नजरें दूल्हे और दुल्हन को खोज रहीं थीं। पर यह शादी जरा हटकर थी, यहां दूल्हे के रूप में सिर पर साफा बांधे और नए कपड़े पहने गाय का बछड़ा बैठा था तो दूसरी तरफ दुल्हन के रूप में सिर पर मुकुट बांधे और कपड़े पहने गाय की बछिया बैठी थी।

बछड़े और बछिया की शादी के लिए गांव वालों ने बकायदा मंडप तैयार किया हुआ था और पंडित मंत्रोचार कर रहे थे। मंडप में चारों तरफ वर और वधू पक्ष के लोग बैठे हुए हैं। बछड़ा और बछिया की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शादी सूरत शहर से दूर कामरेज क्षेत्र के लाडवी गांव की एक गौशाला में हुई, जहां गौशाला के संचालक संत की वधू के रूप में बछिया है, जबकि वर के रूप में जयंती भाई का बछड़ा है। वर के रूप में बछड़े का नाम शंखेस्वर है, जबकि वधू के रूप में बछिया का नाम चन्द्रमौलि रखा गया है।

बछिया के मालिक जयंती भाई ने बताया कि उत्तरायण का दिन पवित्र माना जाता है। मकर संक्रांति पर गोदान का काफी महत्व होता है। महाराज के मन में ऐसा था कि मकर संक्रांति के दिन ऐसा किया जाए। इसलिए यह आयोजन किया गया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि एक साल पहले बछड़ा और बछिया का जन्म हुआ था।

किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार की मौजूदगी में किशोर दा के नाम होगी सारेगामापा की एक शानदार शाम

ज़ी टीवी हाल ही में अपना सबसे प्रतिष्ठित और सबसे लंबे समय तक चलने वाला रियलिटी शो सारेगामापा 2021 लेकर आया, जो आज भी देश के संगीतप्रेमियों के दिलों में बसता है। जहां इस शो की जोरदार शुरुआत हुई है, वहीं इसके टैलेंटेड कंटेस्टेंट्स ने दर्शकों को खासा इम्प्रेस कर लिया है। इस वीकेंड दर्शकों को एक स्पेशल ट्रीट मिलने वाली है, जहां यह शो हमारी म्यूज़िक इंडस्ट्री के सबसे लेजेंडरी सिंगर्स में से एक स्वर्गीय किशोर कुमार की याद में एक स्पेशल एपिसोड लेकर आएगा।

जहां सारेगामापा कंटेस्टेंट्स की मनमोहक परफॉर्मेंस ने दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं इस शो में बड़े से बड़े सेलिब्रिटीज़ भी नजर आए। अब आने वाले किशोर कुमार स्पेशल एपिसोड्स में भी कुछ खास होगा, जहां इस लेजेंडरी सिंगर के बेटे अमित कुमार इस शो में आएंगे।

यह पॉपुलर सिंगर किशोर दा को समर्पित एक यादगार शाम के गवाह बनेंगे। जहां दर्शकों को सभी कंटेस्टेंट्स के रोमांचक एक्ट्स देखने को मिलेंगे, वहीं दीपायन बनर्जी किशोर दा के कुछ सदाबहार गाने पेष करेंगे, जिन्हें आप बिल्कुल मिस नहीं कर सकते! बहुत–से मेहमान और जज इससे पहले दीपायन और लेजेंडरी सिंगर किशोर कुमार की आवाज के बीच समानता को लेकर चर्चा कर चुके हैं और अब उनकी परफॉर्मेंस पर अमित कुमार की रिएक्शन देखना भी बड़ा दिलचस्प होगा!

आईन्स्टाइन की अपेक्षा ज्यादा होशियार है

गुजरात के यह गांव के किसान, मोबाइल से ऑपरेट करते है खेत

साबरकांठा, १६ जनवरी।

साबरकांठा जिले के प्रांतिज तहसील के तखतगढ गांव के किसानों ने सिंचाई के लिए अनूठा प्रयास किया है। एक होकर २०० किसानों ने सिंचाई के पानी का बचत कर उपयोग करके ६००० बीघा में खेती करते है। इसके साथ ही अच्छी उपज के साथ आय पाते है। प्रांति के तखतगढ गांव की जहां गांव के किसानों ने सिंचाई मंडली बनाने के बाद सरकार की योजना के तहत चेक डैम बनाया गया है। जहां एक कुएं से ६०० बीघा में खेती करते है। २०० किसानों से लेकर खेतों तक पाइप लाइन डाली है और खेत में भी ड्रीप से सिंचाई करते है। ऐसे २० किसान यह संप से पानी लेकर खेती करते है। संप के निकट बनाये गये रुम में मीटर लगाया गया है, जहां २४ घंटे की लाइट मिलती है। जहां मीटर के ऑपरेट के लिए मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा खेत में पानी ऑटोमेटिक ही सिंचाई होती है। मोबाइल से कॉल लगाये यानी कि मोटर चालू होता है और फिर से कॉल लगाओ यानी कि मीटर बंद होता है। इस तरह नेटवर्क कवरेज में हो तब खेत में सिंचाई का पानी चालू बंद किया जा सकता है। जिसकी वजह से बिजली और पानी की बचत के साथ किसानों को दिन और रात और कड़ाके की ठंड जैसी विषम परिस्थिति का सामना नहीं करना पडता है। तखतगढ गांव पानी बचाने के लिए आगे रहा है। गांव में पीने के पानी की मीटर से देकर बिजली और पानी की बचत की जाती है। अब खेती क्षेत्र में भी सरकार की सात कदम योजना के तहत अनूठा प्रयोग करके मोबाइल से खेत में सिंचाई कर रहे है और पानी की, समय और पैसे की बचत करके २४ घंटे में कभी भी खेत में सिंचाई करते है। किसानों को इच्छा होगी तब खेत में सिंचाई कर सकते है। अब खेत में फसल के उत्पादन के लिए संप से दवाइयां भी भेज सकते है। यानी कि खेत में फसल का निरीक्षण करने के लिए किसान जाते है। २० किसान ६०० बीघा में गेहूं, मूंगफली, सब्जी सहित के फसलों की खेती करके उत्पादन अच्छा लेते है और आय भी कर सकते हैं।

एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच भिड़त की घटना

रिटायर्ड जवान ने बंदूक की नोक पर दो लोगों की हत्या कर दी

स्थानीय भाजपा पार्षद भीमा ओडेदरा और उनका बेटा निलेश सहित ११ लोगों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया गया

राजकोट, १६ जनवरी।

पोरबंदर शहर में एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच भिड़त की घटना सामने आई है। पुलिस ने शनिवार को बताया है कि शुक्रवार की देर रात को हुई गुट भिड़ंत में एक्स आर्मीमैन ने लाइसेंस वाली रिवाल्वर से गोलीबारी करने पर दो लोगों की मौत हुई थी जबकि अन्य दो लोग घायल हुए थे। पुलिस ने बताया है कि, गत वर्ष फरवरी में आयोजित हुई म्युनिसिपालिटी चुनाव को लेकर एक ही समुदाय के दो गुटों ने एक-दूसरे के सामने पुरानी दुश्मनी रखकर तलवारों और बेट सहित के नुकीले हथियारों के द्वारा एक-दूसरे पर हमला किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया है कि स्थानीय भाजपा पार्षद भीमा ओडेदरा और उनका बेटा निलेश सहित ११ लोगों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के बताये अनुसार, शुक्रवार की देर रात को हुई भिड़ंत यह क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर हुई थी। दोनों गुट के सदस्य अंतिम पालिका के चुनाव भी प्रतिद्वंदी के तौर पर लड़ा था। यह सभी एक-दूसरे के क्षेत्रों में प्रवेश के झगड़े से शुरू हुआ था। दोनों गुट के १८-२० लोग वीर भानु की खांभी नाम के क्षेत्र में घुस गये थे और और एक-दूसरे की कार इरादापूर्वक टकराई थी।

दोनों गुट के कई सदस्य वाहन टकराने के बाद प्रतिद्वंदी गुट के सदस्यों ने गाली और हवा में फायरिंग की। वह एक-दूसरे पर डंडे, बेट पाइप, तलवारों और अन्य हथियारों के द्वारा हमला किया गया, जबकि अरभम ओडेदरा ने पूर्व आर्मीमैन और यह घटना का मुख्य आरोपी ने लाइसेंस वाली रिवाल्वर से अचानक भडाका कर दिया। जिसकी वजह से राज केशवाला (२६) और कल्पेश भुईत्या (३७) को गोली लगने पर मौत हुई थी, जबकि अन्य दो लोगों को गंभीर चोटें आई थी। पुलिस ने अरभम ओडेदरा, भाणा ओडेदरा और एक किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है जबकि भीमा ओडेदरा सहित ८ आरोपियों को गिरफ्तार करना बाकी है। इसके अलावा ११ व्यक्तियों के विरूद्ध आईपीसी की धारा ३०२ (हत्या), ३०७ (हत्या का प्रयास), १४३ (गैरकानूनी रूप से सभा), १४७ (दंगे), १४८ (घातक हथियारों से लैंस हंगामा) और ५०४ (इरादापूर्वक अपमान) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड से जूझ रहे गुजरात को सोमवार से मिलेगी राहत

अहमदाबाद (ईएमएस) करीब पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड से जूझ रहे गुजरात के लोगों को जल्द ठंड से राहत मिलेगी। गत 9 जनवरी से आज तक राज्य के ज्यादातर शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे दर्ज हो रहा है। शनिवार को भी अहमदाबाद समेत राज्यके 9 शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम रहा था। जबकि कच्छ का नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री दर्ज हुआ। राज्य की राजधानी गांधीनगर में 7.3 डिग्री, जूनागढ़ के केशोद में 8.7 डिग्री, बनासकांठा के डीसा में 9.2 डिग्री, कच्छ के भुज में 9.6 डिग्री, कंडला एयरपोर्ट पर 9.7 डिग्री, राजकोट में 9.8 डिग्री, सुरेन्द्रनगर में 10 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ। जबकि राज्य के अन्य शहरों में ठंड का पारा 11 से 16 डिग्री के आसपास रहा। कड़ाके की ठंड से जूझ रहे गुजरात के लोगों को कल से ठंड में राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक राज्य के तापमान में 2 से 4 डिग्री की वृद्धि होगी। दूसरी ओर मौसम के जानकारी अंबालाल पटेल ने 18 जनवरी से मावठ का अनुमान व्यक्त किया है। अंबालाल के दावे के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बन्स के चलते 18, 19 और 20 जनवरी को राज्य के कई इकों में बेमौसमी बारिश हो सकती है। जनवरी ही नहीं फरवरी में भी बेमौसमी बारिश की अंबालाल ने संभावना व्यक्त की है।

९ करोड़ ४६ लाख गुजरातियों ने वैक्सीन लेकर कोरोना को मात दी

अहमदाबाद, १६ जनवरी।

देश में कोरोना टीकाकरण महाअभियान का १ वर्ष पूरा हो गया तब गुजरात ने वैश्विक महामारी को रोकने के लिए टीकाकरण महाअभियान में कैसी भूमिका निभाई इसका रोचक आंकड़ा जारी हुआ है। यह आंकड़े के अनुसार प्रत्येक १० गुजराती में से ९ लोगों ने वैक्सीन के दोनों डोज ले लिए हैं। देश में ६५ करोड़ लोगों ने वैक्सीन के दोनों डोज ले लिए हैं। अब १८ वर्ष से ऊपर की ९७ फीसदी आबादी को कोरोना की वैक्सीन का पहला डोज दे दिया गया है। टीकाकरण के एक वर्ष में गुजरात में वैक्सीन का रोजाना औसत २.६४ लाख डोज दिया गया है। अभी यह औसत १ लाख ७६ हजार के करीब है। गुजरात में वयस्क के ९० फीसदी को वैक्सीन के दोनों डोज दिए गए हैं। हेल्थ विभाग के आंकड़े के अनुसार, पीएम मोदी के जन्मदिन पर गुजरात में और देश में सबसे ज्यादा टीकाकरण हुआ था। हालांकि देश में अभी ६६ फीसदी लोगों ने ही वैक्सीन का पहला डोज लिया है। वैक्सीन लेने में महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों की संख्या ज्यादा है। कोरोना वैक्सीनेशन की सफलता को एक वर्ष पूरा हुआ है। गत वर्ष १६ जनवरी से देशभर में कोरोना विरूद्ध विश्व का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान शुरू हुआ था। एक वर्ष में १५६ करोड़, ७६ लाख, १५ हजार, ४५४ वैक्सीन के डोज दिए गए हैं। १६ जनवरी २०२१ को शुरू हुआ वैक्सीनेशन में सबसे पहले फ्रंटलाइन कोरोना योद्धा को वैक्सीन देने की शुरूआत की गई थी। उस समय में भारत के पास एक साथ दो वैक्सीन उपलब्ध हुई थी। कोरोना के सामने सुरक्षा मिले और इस उद्देश्य से कोविडशिल्ड और कोवैक्सीन के डोज भारतभर में युद्ध के स्तर पर देने की शुरूआत की गई थी। कोरोना योद्धा के बाद, को-मोरबीड सीनियर सीटीजन इसके बाद ४५ से ज्यादा उम्र के और इसके बाद १८ वर्ष से ऊपर के सभी को कोरोना वैक्सीन का डोज दिया गया था। ३ जनवरी से देशभर में १५ से १८ उम्र के किशोरों को भी वैक्सीन का डोज देने की शुरूआत हुई है।

१० जनवरी से फ्रंटलाइन योद्धा को प्रीकोशन यानी कि बुस्टर डोज देशभर में देने की शुरूआत हुई है। भारत की सफल वैक्सीन आज विश्व के कई देशों में सप्लाई की जा रही है। आज दिन तक में देशभर में कोरोना वैक्सीन के १५८ करोड़, १ लाख, ४६ हजार, १५ डोज सप्लाई किया गया है। देशभर में अलग-अलग राज्यों के पास १४ करोड़ १३ लाख, ४४ हज